RNI NO . KARHIN/2021/82440 | बेंगलूरु ,शनिवार ,07 फरवरी 2026 | वर्ष-5, अंक- 212 | पृष्ठ-8, मूल्य- 5 रुपए | HIND SAGAR PRAHARI LOKTANTRA KA

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

हिन्द सागर प्रहरी लोकतंत्र का

जनसूचना से जनजागरण
आम आदमी का मीडिया मंच

Posted at Bengaluru PSO, Bengaluru - 560026, Daily Newspaper. Regd. No.KRNA/BGE-1172/2023-2025

प्रधान संपादक: शिवसागर पाण्डेय

बेंगलुरु और लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

ಹಿಂದ್ ಸಾಗರ್ ಪ್ರಹರಿ ಲೋಕ್ ತಂತ್ರ ಕಾ...

E- PAPER LINK

Contect Mobile Number-8660106725
Email id.-hsplk@gmail.com

Sajja ® HOME FURNISHING
Sajja - an exclusive collection of Home Furnishing and Home Decor items

Our Exclusive Collection

Living: Beaded Runner, Placemats & Coasters, Cushion Cover, Table Runner
Bed & Bath: Bath Towel, Bedsheets & Bedcovers, Floor Mats & Rugs, Toiletry Bag Pouches
Kitchen & Dining: Table Covers, Fridge Handle Covers, Microwave cover, Napkin sets
Home Decor: Tea Light Holders, Garden Toys, Miniature Gardens, Quilted Mats

Connect Us for Diwali Gift Hampers starting @ Rs 330/-
Visit us : www.sajja.in or call us @ 8277623238

परीक्षा पे चर्चा, सीएम योगी बोले

पीएम मोदी के शब्दों में हर चुनौती का सामना करने की प्रेरणा

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के शब्दों में सकारात्मक दृष्टि, लक्ष्य की स्पष्टता और हर चुनौती का मुस्कुराकर सामना करने की प्रेरणा समाहित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, परीक्षा आत्मविश्वास, अनुशासन और धैर्य की कसौटी होती है। ऐसे क्षणों में सही मार्गदर्शन विद्यार्थियों के मन से भय हटाकर उनमें विश्वास और ऊर्जा भर देता है। इसी भावना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा पे चर्चा के माध्यम से छात्रों से आत्मीय संवाद किया। सीएम योगी ने आगे लिखा, प्रधानमंत्री ने छात्रों को यह संदेश दिया कि तनाव नहीं, संतुलन को अपनाइए। प्रतिस्पर्धा नहीं, आत्म-विकास पर ध्यान दीजिए और परिणाम नहीं, निरंतर प्रयास पर भरोसा रखिए। उनके शब्दों में सकारात्मक दृष्टि, लक्ष्य की स्पष्टता और हर चुनौती का मुस्कुराकर सामना

करने की प्रेरणा समाहित है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, यह संवाद केवल परीक्षा कक्ष तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन की हर परीक्षा में स्थिर रहने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और अपने सामर्थ्य पर विश्वास बनाए रखने का संदेश देता है। निश्चय ही यह पहल करोड़ों विद्यार्थियों के मन में नई दिशा, नई ऊर्जा और नए विश्वास का संचार करेगी। मुख्यमंत्री योगी ने प्रधानमंत्री मोदी आभार व्यक्त किया और सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य, आत्मविश्वासपूर्ण प्रयास और सफलता से भरे पथ की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का पहला एपिसोड शुक्रवार को जारी हुआ। इस एपिसोड में प्रधानमंत्री मोदी ने आपका स्टाइल-आपकी गति से लेकर लक्ष्य के साथ तैयारी, कम प्रेशर-ज्यादा सीखना, शोर के बीच टिके रहना और बड़े सपने-बड़े काम तक अलग-अलग विषयों पर छात्रों से संवाद किया। इसी बीच, उन्होंने छात्रों के कई सवालों के भी जवाब दिए। पीएम मोदी ने मार्क्स, गेम्स और हंसी के बीच बैलेंस पर भी छात्रों को महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस कार्यक्रम के पहले एपिसोड में पीएम मोदी के सामने गीत और कविता से लेकर बांसुरी बजाने तक छात्रों ने भी कई एक्टिविटी कीं।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

नाबालिग लड़की के 30 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की दी अनुमति

नईदिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्टने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में एक नाबालिग लड़की के 30 सप्ताह के गर्भ को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति दे दी। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि कोई भी अदालत किसी महिला को, और विशेष रूप से एक नाबालिग लड़की को, उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकती है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने जोर देकर कहा कि गर्भवती लड़की को बच्चे को जन्म देने या नहीं देने के उसके अधिकार को उचित महत्व दिया जाना चाहिए, खासकर तब जब उसका मन नहीं हो कि वह बच्चे को जन्म दे और ऐसी इच्छा उसने साफ साफ शब्दों में बार बार जाहिर भी की हो। पीठ ने स्पष्ट किया कि मुख्य मुद्दा यह था कि क्या एक नाबालिग को ऐसी गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर किया जा सकता है जो उसकी मर्जी के बिना है। अदालत ने कहा, अदालत किसी भी महिला को, नाबालिग बच्चे की तो बात ही छोड़िए, अपनी गर्भावस्था पूरी करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती, अगर उसका ऐसा करने का इरादा ही नहीं हो। न्यायालय ने माना कि यह मामला इस पर निर्भर नहीं करता कि गर्भधारण सहमति से बने संबंधों के कारण हुआ था या दुष्कर्म से। वास्तव में फैसला इस बात से तय होगा कि नाबालिग की वह स्पष्ट इच्छा क्या है और उसका मन यही है कि वह बच्चे को जन्म न दे। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने स्वीकार किया कि हालांकि एक बच्चे का जन्म अंततः एक जिंदगी को दुनिया में लाना है, लेकिन इस मामले में नाबालिग की स्पष्ट अनिच्छा सबसे महत्वपूर्ण कारक है। उच्चतम न्यायालय ने मुंबई के जेजे अस्पताल को निर्देश दिया कि वे सभी आवश्यक चिकित्सा संबंधी उपायों का पालन करते हुए गर्भावस्था के चिकित्सकीय समापन की प्रक्रिया शुरू करें।

यह फैसला भारत में गर्भपात कानून के तहत प्रजनन अधिकारों की व्याख्या में एक मील का पत्थर माना जा रहा है। कारण यह है कि 24 सप्ताह की कानूनी सीमा के बाद भी विशेष परिस्थितियों में अदालत ने इस लड़की की पसंद को प्राथमिकता दी है।

सार संक्षेप

मथुरा मोहपाश मामले में दो पुलिसकर्मी निलंबित, जांच जारी

मथुरा। मथुरा जिले के फरह थाना क्षेत्र में मोहपाश (हनीट्रैप) में फंसाकर जबरन वसूली के एक मामले में संलिप्तता के आरोप में दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता आगरा के किसान जगदीश हैं, जिन्होंने हाल ही में अपनी जमीन बेची थी और अच्छी खासी रकम प्राप्त की थी। एसएसपी के अनुसार, गांव के प्रधान और कुख्यात बदमाश खूबी राम ने मोहपाश के जरिए किसान से जबरन वसूली करने की साजिश रची थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उन्हें एक कमरे में बुलाया गया, जहां एक महिला के साथ वीडियो रिकॉर्ड किया गया। एसएसपी ने बताया कि तत्कालीन ओएल पुलिस चौकी प्रभारी उप-निरीक्षक कपिल और कांस्टेबल राकेश जगदीश को पुलिस चौकी ले गए और वहां बैठा दिया।

एसआईआर: यूपी के लिए 10 अप्रैल को प्रकाशित की जाएगी अंतिम मतदाता सूची

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची अब छह मार्च की जगह 10 अप्रैल को प्रकाशित की जाएगी। बृहस्पतिवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे एक पत्र में, आयोग ने कहा कि उसने दो फरवरी को किए गए उनके अनुरोध पर विचार किया है और अन्य संबंधित कारकों पर विचार करने के बाद, आयोग ने उत्तर प्रदेश में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यक्रम में बदलाव का फैसला किया है। आयोग ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए अंतिम मतदाता सूची अब 10 अप्रैल को प्रकाशित की जाएगी।

पंजाब में आप नेता की गोली मारकर हत्याजालंधर में गुरुद्वारे के बाहर हमला

जालंधर। पंजाब के जालंधर में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सतिंदर पाल सिंह जोगी उर्फ लक्की ओबरॉय की 6 फरवरी की सुबह सरेआम गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। वे 53 साल के थे। स्कूटी पर आए दो युवकों ने उन्हें 6 गोलियां मारीं। इनमें से 5 गोलियां ओबरॉय के सीने और एक सिर में लगी। लक्की ओबरॉय जालंधर के पॉश एरिया, मॉडल टाउन इलाके में गुरुद्वारे में माथा टेकने आए थे। जैसे ही वे गुरुद्वारे से निकलकर अपनी थार गाड़ी में बैठने लगे तो बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

भारत ने छठी बार जीता अंडर-19 विश्वकप, दबदबा ऐसा कि 16 में से 10 बार फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली : भारतीय अंडर-19 टीम ने वनडे विश्व कप 2026 में दमदार प्रदर्शन किया और यह साबित करने में सफल रही कि क्यों इस टूर्नामेंट में उसका दबदबा है। भारत ने फाइनल ही नहीं, बल्कि ग्रुप चरण से ही दमदार प्रदर्शन कर विरोधी टीम को परास्त किया। भारतीय अंडर-19 टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और छठी बार विश्व कप का खिताब जीत लिया। भारत पूरे टूर्नामेंट के दौरान अजेय रहा और ग्रुप चरण से लेकर फाइनल मुकाबले तक कोई टीम आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली टीम को हरा नहीं सकी। भारत के लिए वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे और अभिज्ञान कुंडू ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड को 100 रन से रौंदा भारत ने इंग्लैंड को फाइनल में 100 रनों से हराया। भारत ने इंग्लैंड के सामने 412 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में इंग्लिश टीम 40.2 ओवर में 311 रन रन पर सिमट गई। टीम इंडिया के लिए वैभव सूर्यवंशी फाइनल के सुपरस्टार रहे। उन्होंने 80 गेंद में 175 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। वहीं, इंग्लैंड की ओर से कैलब फाल्कनर ने शतक जड़ा, लेकिन टीम को नहीं जिता पाए। फाल्कनर ने 67 गेंद पर 115 रन की पारी खेली। अब इंग्लैंड को हराकर खिताब अपने नाम किया। सर्वाधिक बार खिताबी मुकाबले खेलने का है रिकॉर्ड इसमें कोई शक नहीं है कि भारत का अंडर-19 विश्व कप में हमेशा ही दबदबा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि भारत अंडर-19 विश्व कप के 16 सत्र में से 10 बार खिताबी मुकाबले में पहुंच चुका है जो सर्वाधिक है। भारत ने लगातार छठी बार खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया था। टीम ने 2016, 2018, 2020, 2022, 2024 और 2026 में खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। यह आंकड़ा ये बताने के लिए अपने आप में काफी है कि भारतीय टीम का अंडर-19 में कोई सानी नहीं है। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया टीम भी भारत से काफी पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने छह बार अंडर-19 टीम के फाइनल में जगह बनाई है और चार बार खिताब जीता है। भारत के नाम अंडर-19 विश्व कप में सबसे बड़ा रन चेज का रिकॉर्ड भी है। टीम ने यह उपलब्धि अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में हासिल की थी। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में चार विकेट पर 310 रन बनाए। जवाब में भारत के लिए आरोन जॉर्ज ने शतक लगाया, जबकि वैभव सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे ने अर्धशतक लगाए जिससे टीम ने 41.1 ओवर में तीन विकेट पर 311 रन बनाकर मैच अपने नाम किया था। भारत ने इस तरह अंडर-19 विश्व कप का सबसे बड़ा रन चेज बनाया था। इससे पहले ये रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के नाम था जिन्होंने 2006 में आयरलैंड के खिलाफ 305 रनों का लक्ष्य हासिल किया था। भारत ने इस तरह 20 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था।

इस्लामाबाद में शिया मस्जिद पर आत्मघाती हमला, 31 लोगों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजधानी में शुक्रवार की नमाज के दौरान शिया समुदाय की मस्जिद में आत्मघाती हमलावर द्वारा खुद को विस्फोट में उड़ा लेने से कम से कम 12 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह विस्फोट संघीय राजधानी के शहजाद टाउन इलाके में स्थित तरलाई इमामबाड़ा में हुआ। पुलिस के मुताबिक, आत्मघाती हमलावर को इमामबाड़ा के द्वार पर रोक लिया गया था, लेकिन उसने खुद को विस्फोट में उड़ा लिया। घटना में 12 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। फिलहाल किसी भी समूह ने इस विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, पुलिस सूत्रों ने बताया कि हमलावर एक विदेशी नागरिक था और उसके संबंध शिफतना अल ख्वाराजीश से थे। यह शब्द तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लिए इस्तेमाल किया जाता है। बचाव टीम और पुलिस हमले वाली जगह पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। राजधानी के अस्पतालों में आपात स्थिति घोषित कर दी गई। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव पाकिस्तान के दौरे पर हैं। वह बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के दो दिवसीय राजकीय दौरे पर पहुंचे। इस घटना से कुछ महीने पहले इस्लामाबाद में जिला एवं सत्र न्यायालय भवन के बाहर हुए एक आत्मघाती विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई थी।

प्रधानमंत्री ने राज्यसभा में 97 मिनट भाषण दिया, लेकिन ट्रंप के दावों पर चुप्पी साधे रहे: कांग्रेस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए 97 मिनट तक बोले लेकिन उन्होंने अपने मित्र (अमेरिका के राष्ट्रपति) डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे पर चुप्पी साधे रखी कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष उनके हस्तक्षेप से रुका था। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कई बार यह दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को समाप्त कराया। ट्रंप ने पहली बार पिछले साल 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि अमेरिका की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान सैन्य टकराव को पूर्ण रूप से और तत्काल रोकने पर सहमत हुए। हालांकि, भारत ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) के संपर्क करने के बाद सैन्य टकराव रोकने पर विचार किया गया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री ने कल शाम राज्यसभा में एक बार फिर यह दिखा दिया कि उनके भीतर असुरक्षाओं का कितना बड़ा पुलिंदा है, वह किस तरह लगातार झूठ फैलाते हैं, उनके पास पूर्वाग्रहों का कितना बड़ा भंडार है और उनके भीतर कितनी कड़वाहट, विष एवं जहर भरा हुआ है। एक बात बिल्कुल साफ है कि वह चाहे खुद को कितना ही महान आदमी घोषित करते रहें, जितना ज्यादा वह ऐसा करेंगे, उतना ही स्पष्ट होता जाएगा कि वह न तो अच्छे आदमी हैं और न कभी हो सकते हैं। उन्होंने कहा, उनके 97 मिनट के भाषण को दयनीय कहना भी एक बहुत हल्का आकलन होगा। वह अपनी ही निजी नफरतों के कैदी हैं। उन्होंने राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा उठाए गए किसी भी गंभीर सवाल का जवाब नहीं दिया। रमेश ने कटाक्ष करते हुए कहा, इस बीच, वाशिंगटन डीसी में बैठे उनके अच्छे मित्र (ट्रंप) लगातार यह कहते जा रहे हैं कि उन्होंने 10 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाने में हस्तक्षेप किया था ।

दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर नेटफ्लिक्स से हटेगी घूसखोर पंडत की सारी प्रचार-सामग्री, निर्देशक नीरज पांडे ने दी सफाई

मुंबई, (एजेंसी)। नेटफ्लिक्स पर टीजर रिलीज के साथ विवादों में घिरी अभिनेता मनोज बाजपेयी की फिल्म घूसखोर पंडत सुर्खियों में है। फिल्म के टाइटल को लेकर ब्राह्मण समाज में रोष का माहौल है और देश के कई राज्यों से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग उठ रही है। अब मामले में नया अपडेट आया है, जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय ने अधिवक्ता विनीत जिंदल की याचिका पर सुनवाई करते हुए फिल्म के नाम और उससे जुड़ी सभी प्रचार-सामग्री को सभी प्लेटफॉर्म से हटाने की घोषणा की है। इसके अलावा, फिल्म के निर्देशक नीरज पांडे ने मामले पर अपना पक्ष भी रखा है। अधिवक्ता विनीत जिंदल द्वारा याचिका में दावा किया गया है कि टाइटल घूसखोर

पंडित ब्राह्मण समुदाय की गरिमा, प्रतिष्ठा और भावनाओं को ठेस पहुंचाता है और जानबूझकर अपमानजनक बनाया गया है। अब फैसले के बाद फिल्म से जुड़ी सारी प्रचार सामग्री को हटाने का निर्देश दे दिया गया है ह्लघूसखोर पंडतह्व के निर्देशक नीरज पांडे ने फिल्म को लेकर बढ़ते विवाद पर सफाई दी है और उनका कहना है कि फिल्म का उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर लिखा, हमारी फिल्म एक काल्पनिक पुलिस ड्रामा है, और पंडित शब्द का प्रयोग केवल एक काल्पनिक पात्र के बोलचाल के नाम के रूप में किया गया है। कहानी एक व्यक्ति के कार्यों और विकल्पों पर केंद्रित है और किसी भी जाति, धर्म या समुदाय पर टिप्पणी या प्रतिनिधित्व नहीं करती है। उन्होंने आगे लिखा, ष्एक फिल्म निमार्ता के रूप में, मैं अपने काम को गहरी जिम्मेदारी की भावना के साथ करता हूं। यह फिल्म, मेरी पिछली फिल्मों की तरह, पूरी ईमानदारी से बनाई गई है और इसका एकमात्र उद्देश्य दर्शकों का मनोरंजन करना है। हम समझते हैं कि फिल्म के शीर्षक से कुछ दर्शकों को ठेस पहुंची है, और हम उन भावनाओं को समझते हैं। इन चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, हमने फिलहाल सभी प्रचार सामग्री हटाने का निर्णय लिया है, क्योंकि हमारा मानना घ्है कि फिल्म को पूरी तरह से देखा जाना चाहिए और उस कहानी के संदर्भ में समझा जाना चाहिए जिसे हम बताना चाहते हैं, न कि आंशिक झलक के आधार पर। मैं जल्द ही दर्शकों के साथ फिल्म साझा करने के लिए उत्सुक हूं। कुल मिलाकर अब फिल्म विवादों के बीच सीधा नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। हालांकि फिल्म किस दिन रिलीज होगी, उसको लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है।

बागेश्वर में भूकंप के झटकों से कांपी धरती, डरे सहमे लोग घरों से भागे बाहरय प्रशासन अलर्ट

बागेश्वर, (एजेंसी)। उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में सुबह-सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.4 दर्ज की गई। झटके सुबह करीब 7: 48 बजे आए। इसका केंद्र लगभग 30.05 उत्तरी अक्षांश और 80.05 पूर्वी देशांतर पर, जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित बताया गया है। भूकंप के बाद जिला प्रशासन तुरंत सतर्क हो गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि पूरे क्षेत्र की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अभी तक कहीं से भी जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। सभी संबंधित विभागों और स्थानीय अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए टीमें तैयार रखी गई हैं। प्रशासन ने नागरिकों से शांति बनाए रखने और घबराने की जरूरत नहीं होने की बात कही है। साथ ही लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है। यदि कहीं किसी प्रकार का नुकसान या असामान्य स्थिति दिखाई दे, तो इसकी सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन या आपदा नियंत्रण कक्ष को देने को कहा गया है। जिले की विभिन्न तहसीलों से मिली जानकारी के अनुसार, भूकंप के झटके हल्के थे और कहीं से भी किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर निगरानी बढ़ा दी है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की बात कही है। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति सामान्य बनी हुई है।

प्रधानमंत्री के भाषण में तथ्य नहीं था, विपक्ष के सवालों का जवाब देने की हिम्मत नहीं कर सके: खरगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्यसभा में बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 97 मिनट के भाषण में कोई तथ्य नहीं था और वह विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब देने की हिम्मत भी नहीं जुटा सके। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार लोकतांत्रिक तरीके से संसद नहीं चलाना चाहती। खरगे ने संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री जी के भाषण पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। लेकिन फिर भी जितनी घटिया बात उन्होंने बोली है, उन बातों का मैं जरूर जवाब देना चाहता हूं, क्योंकि झूठी बातों को दोहराना उनका हमेशा से एक काम रहा है। संसद में उनके 97 मिनट के भाषण में, हमारी बातों पर एक भी उत्तर नहीं दिया गया। सिर्फ 100 साल की, 75 साल की, 50 पचास साल की बात करते रहे। कांग्रेस नेता का कहना था कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सरकार में बैठे दूसरे लोग बोल रहे थे कि जनरल एम एम नरवणे की पुस्तक प्रकाशित नहीं हुई है, लेकिन किताब मौजूद है। उन्होंने कहा कि किताब होने के बावजूद सदन में इस बात को नकाराना विशेषाधिकार हनन है। खरगे ने कहा, जो मुद्दे हमने उठाए, आप (मोदी) उसका जवाब दीजिए। वह कहते हैं कि मुझे दो-दो किलो गालियां देते हैं। क्या गालियां तोलते हैं? उन्होंने दावा किया, हमने जो मुद्दे उठाए थे, लोकसभा और राज्यसभा में उसका उत्तर देने की हिम्मत उनमें नहीं थी और उनके पास कोई तथ्य भी नहीं थे। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर सिखों का अपमान करने का आरोप लगाया, जबकि सबको पता है कि कांग्रेस ने दुनिया के एक मशहूर अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह को दो बार प्रधानमंत्री बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी सिखों, दलितों और आदिवासियों का सम्मान नहीं करते। प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा था कि विपक्षी दल लगातार मिल रहीं चुनावी हार को पचा नहीं पा रहा है और उनके प्रति गहरी नफरत रखने के बावजूद वह कभी उनकी कब्र नहीं खोद पाएगा क्योंकि करोड़ों भारतीयों का आशीर्वाद उनका कवच है। राज्यसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने लोकसभा में विपक्षी दल के सदस्यों द्वारा पैदा किए गए व्यवधान को लेकर कहा था कि यह न केवल एक आदिवासी और महिला राष्ट्रपति का अपमान है, बल्कि उनके सर्वोच्च संवैधानिक पद और भारत के संविधान का भी अपमान है।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु,शनिवार,07 फरवरी 2026

तेलंगाना को 12 साल में 12 लाख करोड़ मिले, परियोजनाएं भ्रष्टाचार से अटकीं : प्रह्लाद जोशी

हिन्द सागर प्रलोका,
@Hsplknews

हैदराबाद। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रह्लाद जोशी ने तेलंगाना के विकास को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने तेलंगाना को करीब 12 लाख करोड़ रुपये की सहायता दी है, लेकिन भूमि अधिग्रहण में भ्रष्टाचार के कारण कई परियोजनाएं समय पर पूरी नहीं हो पा रहीं।

शुक्रवार (6 फरवरी, 2026) को हैदराबाद में मीडिया से बातचीत में जोशी ने कहा, पैसे की कोई कमी नहीं है। केंद्र सरकार धन दे रही है, लेकिन भूमि से जुड़े मामलों में भ्रष्टाचार के कारण काम में देरी हो रही है। जैसे ही ये समस्याएं सुलझेंगी, केंद्र भूमि अधिग्रहण के लिए भी पूरा सहयोग देगा।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना में अब तक 5,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हो चुका है और आगे भी बुनियादी ढांचे का काम जारी रहेगा।

टैक्स बंटवारे में 33,180 करोड़

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में टैक्स बंटवारे के तहत तेलंगाना को 33,180 करोड़ रुपये मिलेंगे। पिछले 12 वर्षों में टैक्स के रूप में राज्य को कुल 2.52 लाख करोड़ रुपये का हस्तांतरण किया गया है।

UPA सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उस दौर में यह राशि 60,000 करोड़ रुपये से भी कम थी।

स्थानीय निकायों को बड़ा अनुदान

जोशी ने घोषणा की कि वर्ष 2026-27 से 2031-32 के बीच तेलंगाना के ग्रामीण स्थानीय निकायों को 9,968 करोड़ रुपये और शहरी स्थानीय निकायों को 11,548 करोड़ रुपये का अनुदान मिलेगा, जिससे गांवों और शहरों के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी।

तेलंगाना में केंद्र और राज्य सरकार के बीच धन बंटवारे को लेकर चल रही राजनीतिक खींचतान के बीच प्रह्लाद जोशी का यह बयान विकास के आंकड़ों और भ्रष्टाचार के मुद्दे को एक साथ सामने लाता है।

रेवंतुद्दीन कहे जाने पर भी आपत्ति नहीं, अल्पसंख्यक आरक्षण बचाने को प्रतिबद्ध : सीएम रेवंत रेड्डी

हिन्द सागर प्रलोका,
@Hsplknews

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अल्पसंख्यकों के 4 प्रतिशत आरक्षण को बचाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि उन्हें किसी भी नाम से बुलाया जाए, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। निजामाबाद में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यदि कोई उन्हें रेवंतुद्दीन कहता है, तो वह उसे भी खुशी-खुशी स्वीकार करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा अल्पसंख्यकों को उनका अधिकार दिलाया है। कांग्रेस ने देश को एक मुस्लिम राष्ट्रपति दिया, सात मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाए और अल्पसंख्यकों को सत्ता तथा संगठन में प्रतिनिधित्व दिया। उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन का उदाहरण देते हुए कहा कि विधायक या एमएलसी न होने के बावजूद उन्हें मंत्री बनाया गया और जल्द ही एमएलसी बनाया जाएगा।

रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार राज्य में नफरत फैलाने वाले भाषणों पर सख्त कानून लाने जा रही है, जिसे आगामी विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए ऐसे कानून की सख्त जरूरत है।

हैदराबाद में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने संगठन के समर्थन के लिए आभार जताया और केंद्र सरकार व गृह मंत्री अमित शाह को खुली चुनौती देते हुए कहा कि भाजपा केवल बातें करती है, जबकि तेलंगाना की जनता सच्चाई जानती है।

रिटायर्ड इंजीनियर के ठिकानों पर ACB का छापा, 50 करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति उजागर

हिन्द सागर प्रलोका,
@Hsplknews

विशाखापट्टनम। आंध्र प्रदेश एंटी-करप्शन ब्यूरो (ACB) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए रिटायर्ड सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर कल्लेपल्ली श्रीनिवासा राव को आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार किया है। राव 31 दिसंबर 2025 को सेवानिवृत्त हुए थे।

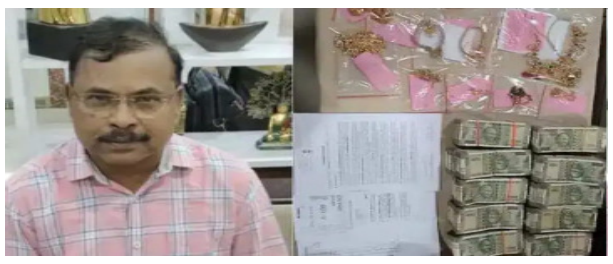

एसीबी ने विशाखापट्टनम, सालुरु और हैदराबाद में एक साथ छापेमारी कर 61.87 लाख रुपये नकद, करीब 2.5 किलो सोना, 20.3 किलो चांदी, तीन हाउस प्लॉट, दो महंगे फ्लैट और कृषि भूमि के दस्तावेज जब्त किए हैं। इसके अलावा पांच बैंक लॉकर भी सील किए गए हैं, जिनकी जांच अभी बाकी है।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार, लॉकर खुलने के बाद अवैध संपत्ति का कुल आंकड़ा 50 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। राव के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विशेष एसीबी अदालत में पेश करने की प्रक्रिया चल रही है। यह कार्रवाई राज्य में भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को दशार्ती है।

गिसैट-1अ: इसरो की आसमानी आँख, बादलों के पार से रियल-टाइम निगरानी को तैयार

हिन्द सागर प्रलोका,
@Hsplknews

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक अहम उपलब्धि की ओर बढ़ रहा है। अगस्त 2021 में तकनीकी कारणों से असफल रहे गिसैट-1 मिशन के बाद अब उसका उन्नत संस्करण गिसैट-1अ (EOS-05) लॉन्च के लिए पूरी तरह तैयार है। करीब 2,200

किलोग्राम वजनी यह सैटेलाइट भारत की निगरानी और इमेजिंग क्षमताओं को नई ऊँचाई देगा।

गिसैट-1अ को भारत की आसमानी आँख माना जा रहा है। यह सैटेलाइट घने बादलों के बीच से भी स्पष्ट तस्वीरें लेने और रियल-टाइम इमेजिंग करने में सक्षम है। इससे सीमावर्ती इलाकों में होने वाली हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सकेगी, जो सशस्त्र बलों के लिए रणनीतिक रूप से बेहद उपयोगी होगी।

हालांकि यह सैटेलाइट नागरिक उद्देश्यों के लिए विकसित किया गया है, लेकिन इसके उपयोग आपदा प्रबंधन, कृषि, वन संरक्षण, खनिज अध्ययन और जलवायु निगरानी जैसे क्षेत्रों में भी बेहद महत्वपूर्ण होंगे। बाढ़, चक्रवात और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान यह त्वरित चेतावनी और राहत कार्यों में सटीक जानकारी उपलब्ध कराएगा।

सूत्रों के अनुसार, बेंगलुरु स्थित यू.आर. राव सैटेलाइट सेंटर में सभी परीक्षण पूरे कर लिए गए हैं और इसरो प्रमुख की अंतिम स्वीकृति के बाद इसे श्रीहरिकोटा भेजा जाएगा। GSLV-F17 मिशन के जरिए इसके प्रक्षेपण की तैयारी है, जिसके लिए 20 फरवरी से 5 मार्च तक की लॉन्च विंडो तय की गई है।

पिछली असफलताओं से सबक लेते हुए इसरो इस बार हर स्तर पर अतिरिक्त सावधानी बरत रहा है। गिसैट-1अ का सफल प्रक्षेपण भारत की अंतरिक्ष तकनीक और राष्ट्रीय सुरक्षा–दोनों के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

तिरुपति लड्डू विवाद: चंद्रबाबू नायडू का सनसनीखेज आरोप, बोले– बाथरूम क्लीनर जैसे रसायन से बना घी इस्तेमाल हुआ

हिन्द सागर प्रलोका,
@Hsplknews

बेंगलुरु/कुरनूल। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डू प्रसाद को लेकर बड़ा और गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (SRCP) की पिछली सरकार के कार्यकाल में तिरुपति लड्डू बनाने में ऐसा घी इस्तेमाल किया गया, जो बाथरूम क्लीनर में उपयोग होने वाले रसायनों से बना था।

कुरनूल जिले के येम्मिगनूर में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने

कहा कि पांच वर्षों तक मंदिर की पवित्रता से खिलवाड़ किया गया और रासायनिक घी से प्रसाद तैयार कराया गया। उन्होंने इसे श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर की आस्था और मयार्दा पर सीधा हमला बताया।

चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी भले ही जांच एजेंसियों से क्लीन चिट मिलने का दावा कर रहे हों, लेकिन उनके चाचा वाईवी सुब्बा रेड्डी ने स्वयं प्रसाद में मिलावट की बात स्वीकार की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्ता में आने के बाद उनकी सरकार ने स्थिति को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए हैं और अब प्रसाद की गुणवत्ता में स्पष्ट अंतर देखा जा सकता है।

उन्होंने वाईएसआरसीपी पर राजनीतिक उद्देश्यों के लिए शक्ति प्रदर्शन करने और जनहित के मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया। साथ ही, राज्य में किसानों के हित में भूमि अभिलेखों में हेराफेरी रोकने के लिए सुरक्षित पट्टादार पासबुक जारी करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

मुख्यमंत्री के इन आरोपों के बाद तिरुपति लड्डू की पवित्रता और पूर्व सरकार की भूमिका को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी बहस शुरू हो गई है।

नेतृत्व परिवर्तन पर विराम, सिद्धरामय्या पूरे कार्यकाल तक रहेंगे सीएम : यतींद्र

हिन्द सागर प्रलोका,
@Hsplknews

बेंगलुरु/मैसूर। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या के बेटे और कांग्रेस एमएलसी यतींद्र सिद्धरामय्या ने साफ कहा है कि पार्टी हाईकमान ने नेतृत्व बदलने की किसी भी मांग को स्वीकार नहीं किया है और सिद्धरामय्या पूरे पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

मैसूर में पत्रकारों से बातचीत में यतींद्र ने कहा कि पार्टी के भीतर मुख्यमंत्री को हटाने को लेकर कोई आधिकारिक चर्चा नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हाईकमान की ओर से राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई संकेत नहीं दिया गया है, ऐसे में सिद्धरामय्या अपना पूरा कार्यकाल पूरा करेंगे।

यह बयान ऐसे समय आया है जब कांग्रेस विधायक शिवगंगा बसवराज के बयान के बाद नेतृत्व विवाद फिर सुर्खियों में है।

बसवराज ने हाईकमान से कथित भ्रम की स्थिति को स्पष्ट करने की मांग की थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए यतींद्र ने कहा कि पार्टी में किसी तरह का कोई भ्रम नहीं है और इस विषय में मुख्यमंत्री से ही सवाल किए जाने चाहिए।

वहीं, मंत्री प्रियंक खड़गे ने भी स्पष्ट किया कि नेतृत्व से जुड़े फैसले पार्टी हाईकमान समय और जरूरत के अनुसार करेगा और मीडिया में बयानबाजी से कोई लाभ नहीं होता।

हाल के दिनों में कुछ नेताओं और समर्थकों द्वारा अलग-अलग नामों के समर्थन में नारे लगाए जाने से कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर चचाएं जरूर तेज हुई हैं, लेकिन यतींद्र के बयान से यह संकेत मिला है कि फिलहाल मुख्यमंत्री पद पर कोई बदलाव नहीं होने जा रहा है।

राजमुंदरी के पास बाघ की दहशत, आठ मवेशियों का शिकार; पकड़ने के लिए व्यापक अभियान जारी

हिन्द सागर प्रलोका,
@HsplkNews

आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में राजमुंदरी के पास मानव बस्तियों के नजदीक एक बाघ की मौजूदगी से दहशत का माहौल है। पिछले करीब एक सप्ताह में बाघ ने आठ मवेशियों को अपना शिकार बनाया है। बाघ को पकड़ने के लिए वन विभाग का तलाशी और बचाव अभियान शुक्रवार को भी जारी रहा।

वन अधिकारियों ने पुणे से आए विशेषज्ञ दल की मदद से मंडपेटा मंडल के केशवरम पहाड़ियों में अभियान तेज कर दिया है। हालांकि, थर्मल ड्रोन और तलाशी के बावजूद बाघ का अब तक पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों का अनुमान है कि बाघ किसी खदान, पहाड़ी इलाके या घनी झाड़ियों में छिपा हो सकता है।

वन विभाग ने केशवरम, जी. येररामपलेम, दावरपुडी, पुराने और नए तुंगापाडु तथा पुण्यक्षेत्रम गांवों के लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। बताया जा रहा है कि बाघ मंडपेटा की ओर बढ़ रहा है, जो डॉ. बीआर अंबेडकर कोनासीमा और काकीनाडा जिलों की सीमा से सटा हुआ है।

स्थिति को देखते हुए डॉ. बीआर अंबेडकर कोनासीमा, काकीनाडा, एलुरु और पोलावरम जिलों के प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए संभावित रास्तों, हमले वाले क्षेत्रों और जल स्रोतों के पास 25 ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की विशेषज्ञ समिति ने आगे की घटनाओं को रोकने के लिए बाघ को बेहोश कर पकड़ने का निर्णय लिया है। वन विभाग की विशेष टीमें लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं।

सेवा, संवाद और सफलता का संगम

हिन्द सागर प्रलोका,
(hindsagarplk.com)

हैदराबाद लंदन में ब्रिटिश संसद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भारत गौरव पुरस्कार तथा दुबई में ग्लोबल आइकन अवॉर्ड से सम्मानित अंतर्राष्ट्रीय जनसंपर्क चैंबर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार अग्रवाल ने जनसंपर्क को आत्मिक और सामाजिक उन्नति का सशक्त माध्यम बताते हुए मोतीलाल ओसवाल ग्रुप ऑफ कंपनीज के अध्यक्ष श्री रामदेव अग्रवाल को अपनी पुस्तक पीआर : ए टूल फॉर सक्सेस भेंट की।

इस अवसर पर डॉ. अग्रवाल ने कहा कि जनसंपर्क केवल व्यवसायिक सफलता का साधन नहीं, बल्कि विश्वास, सेवा और सद्भाव के मूल्यों

को समाज तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने पुस्तक के माध्यम से सकारात्मक सोच, नैतिक आचरण और मानव कल्याण पर आधारित संवाद की महत्ता को रेखांकित किया।

श्री रामदेव अग्रवाल ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि सच्चा जनसंपर्क वही है, जो आत्मिक मूल्यों के साथ सामाजिक और आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करे। यह भेंट व्यवसाय और अध्यात्म के संतुलन का सुंदर उदाहरण बनी।

हाईवे पर दो स्थानों पर हुए हादसे में दो लोगों की मौत

हरैया। गोरखपुर-अयोध्या हाईवे पर बुधवार की रात दो स्थानों पर सड़क हादसा हुआ। दो लोगों की मौत हो गई। पहला महूघाट और दूसरा आमा पांडेय गांव के पास हादसा हुआ। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के कुसमौर गांव निवासी मनीष (30) अयोध्या में किसी होटल में काम करता था। बुधवार की रात करीब 11 बजे वह हाईवे पर रोडवेज के पुराने चेकपोस्ट के सामने किसी वाहन से उतरकर सड़क पार कर अयोध्या वाली लेन की तरफ जा रहा था। इसी बीच अज्ञात वाहन की चपेट में आकर उसकी मौके पर मौत हो गई। दूसरा हादसा हाईवे पर आमा पांडेय गांव के पास हुआ। भदावल गांव निवासी अजय कुमार गुप्ता (40) सड़क किनारे दुकान करता था। बुधवार की रात करीब आठ बजे वह पत्नी गुड़िया से कुछ देर में लौटने की बात कहकर बाइक से चला गया। काफी देर तक जब घर नहीं लौटे तो पत्नी ने रात 10 बजे मोबाइल मिलाया।

अमृतवाणी

हमारे हरि हारिल की लकरी।
मन बच क्रम नंदनंद सों उर यह दृढ़ करि पकरी॥
जागत, सोबत, सपने सौंतुख कान्ह-कान्ह जक री।
सुनतहि जोग लगत ऐसो अति! ज्यों करुई ककरी॥
सोई व्याधि हमें लै आए देखी सुनी न करी।
यह तौ सूर तिन्हैं लै दीजै जिनके मन चकरी॥

गोपियाँ उद्धव से कहती हैं कि झ हे उद्धव! आप अपने ज्ञान और योग के उपदेशों से हमारे मन को श्रीकृष्ण से अलग करने का व्यर्थ प्रयास मत कीजिए। हमारे लिए श्रीकृष्ण उसी प्रकार हैं जैसे हारिल पक्षी के लिए लकड़ी। हारिल पक्षी अपनी लकड़ी को कभी नहीं छोड़ता, उसी प्रकार हम भी श्रीकृष्ण को अपने मन, वचन और कर्म से कभी नहीं छोड़तीं। हम हर समय, जागते, सोते, स्वप्न में, दिन-रात, श्रीकृष्ण का ही स्मरण करती हैं। हमारे मुख से हर समय 'कान्हा-कान्हा' ही निकलता है। जैसे कड़वी ककड़ी को चखते ही मुँह कड़वाहट से भर जाता है, वैसे ही हमारे मन में श्रीकृष्ण का नाम और प्रेम भरा है। हे उद्धव! आपने हमारे लिए यह कैसी बीमारी (विरह या ज्ञान का उपदेश) ले आए हैं, जिसे हमने न कभी देखा, न सुना, न अनुभव किया। आपकी योग और ज्ञान की बातें आप उन लोगों को दीजिए, जिनका मन चंचल है, हमारे मन में तो श्रीकृष्ण ही बसे हैं।

(सूरवाणी)
डॉ.एस.ए.मंजुनाथ
प्रोफेसर एवं पत्रकार

स्मार्ट ग्लासेस के उपयोग से महिलाओं के निजता अधिकार का हनन

दुनिया में टेक्नोलॉजी क्या कुछ नहीं कर सकती है और क्या कुछ नहीं करवा सकती है। अगर महिलाएं स्मार्ट ग्लासेस पहनती हैं तो जरा सावधान होने की जरूरत है। क्योंकि यह खबर उन महिलाओं के लिए जिन्हें स्मार्ट ग्लासेस पहनना का बेहद ही शौक है। अब इन स्मार्ट ग्लासेस ने महिलाओं की सुरक्षा के साथ-साथ निजता (Privacy) पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्मार्ट ग्लासेस (Smart Glasses) महिलाओं के निजता (Privacy) के साथ तेजी से खिलवाड़ कर रहे है। ऐसी स्थिति में महिलाओं को स्मार्ट ग्लासेस पहनते समय बहुत सर्तक रहने की सबसे ज्यादा जरूरत है।

स्मार्टग्लास की अवधारणा दशकों से मौजूद है। हालांकि, 21वीं सदी तक तकनीक इस परिकल्पना के अनुरूप विकसित नहीं हो पाई थी।2013 में, गूगल ने गूगल ग्लास पेश किया। स्मार्ट ग्लास को उपभोक्ता बाजार में लाने का यह पहला बड़ा प्रयास था। अपने अभिनव डिजाइन के बावजूद, गूगल ग्लास को इसकी उच्च कीमत और गोपनीयता संबंधी चिंताओं के कारण आलोचनाओं का सामना करना पड़ा।

तब से लेकर अब तक कई तकनीकी कंपनियों ने स्मार्ट चश्मे के बाजार में प्रवेश किया है। उन्होंने विभिन्न प्रकार के मॉडल पेश किए हैं, जिनमें से प्रत्येक की अपनी अनूठी विशेषताएं और उपयोग हैं। आज स्मार्टग्लास का उपयोग उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में किया जाता है। स्वास्थ्य सेवा से लेकर विनिर्माण तक, ये उपकरण हमारे काम करने, सीखने और दुनिया के साथ बातचीत करने के तरीके को बदल रहे हैं।

स्मार्ट ग्लासेस, जिन्हें स्मार्ट आईवियर भी कहा जाता है, पहनने योग्य कंप्यूटर चश्मे होते हैं। ये पहनने वाले की दृष्टि में अतिरिक्त जानकारी जोड़ते हैं। पारंपरिक चश्मों के विपरीत, स्मार्ट ग्लासेस में अक्सर हेड-अप डिस्प्ले (HUD) शामिल होता है। यह डिस्प्ले विमानन या गेमिंग में उपयोग होने वाले डिस्प्ले के समान होता है।

किसी भी तकनीक की तरह, स्मार्ट ग्लास से भी निजता और सुरक्षा संबंधी चिंताएं जुड़ी हुई हैं। डेटा रिकॉर्ड करने और प्रसारित करने की क्षमता व्यक्तिगत निजता का उल्लंघन कर सकती है, खासकर सार्वजनिक स्थानों पर। पूरी दुनिया में टेक्नोलॉजी दिन-ब-दिन बढ़ रही है। यह एक तरफ अच्छी बात है, तो दूसरी तरफ खतरनाक भी है। क्योंकि, टेक्नोलॉजी के साथ-साथ डर का माहौल भी बढ़ रहा है। इसी टेक्नोलॉजी से जुड़ी एक चीज अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वो है स्मार्ट ग्लास जो हाल ही में मार्केट में आए हैं।

ये स्मार्ट ग्लास इस तरह से बनाए गए हैं कि इनका इस्तेमाल फोटो लेने, ट्रांसलेट करने और ऑडियो कमांड इस्तेमाल करने के लिए किया जा सकता है, इसके लिए आपको हाथों से कोई बटन दबाने की जरूरत नहीं है। हालांकि, ये ग्लास अब महिलाओं की प्राइवेसी के लिए एक बड़ा खतरा बन रहे हैं। कुछ लोग इन स्मार्ट ग्लास को स्टाइल के लिए एक नए गैजेट के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, कुछ लोग इनका इस्तेमाल गलत मकसद से कर रहे हैं।

डॉ.एस.ए.मंजुनाथ
प्रोफेसर एवं पत्रकार

खासकर, कुछ आदमी जो खुद को ₹पिक-अप आर्टिस्ट₹ कहते हैं, चुपके से महिलाओं के साथ बातचीत रिकॉर्ड कर रहे हैं और उसे कंटेंट में बदल रहे हैं। वे बस स्टॉप, बीच, सड़कों और शॉपिंग मॉल में स्मार्ट ग्लास इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की जानकारी के बिना उन्हें रिकॉर्ड कर रहे हैं। फिर वे उन वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे हैं और बुरे कमेंट्स और हैशटैग से उन्हें परेशान कर रहे हैं। ऐसी घटनाएं अब पूरी दुनिया में बढ़ रही हैं।

पिछले महीने, इंग्लैंड की एक महिला के साथ भी ऐसी ही घटना हुई थी। पीड़िता ने हाल ही में एक होटल में एक आदमी के साथ समय बिताया था। लेकिन, उस आदमी ने उसकी जानकारी के बिना प्राइवेट वीडियो और फोटो ले लिए। उसने जो वीडियो बनाए थे, उन्हें उसे भेज भी दिए। इसके खिलाफ पीड़िता ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। यहाँ हैरान करने वाली बात यह है कि इस मामले में कोर्ट ने क्या फैसला लिया। यानी, आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। वैसे, यह अकेला मामला नहीं है। ऐसी कई घटनाओं ने महिलाओं की सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े किए हैं।

अमेरिका में भी ऐसी ही घटना

अमेरिका में एक और महिला के साथ भी ऐसी ही घटना हुई। एक आदमी ने सुपरमार्केट में उसका मजाक उड़ाया। उसने उसकी तारीफ की और वहाँ से चला गया। उस समय, उसे कुछ शक नहीं हुआ। हालाँकि, कुछ दिनों बाद, दोनों के बीच हुई बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया गया। यह बात महिला को भी पता चली। जब उसे पता चला कि उसकी इजाजत के बिना उसे रिकॉर्ड किया जा रहा है, तो उसने रोते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। जिसने भी वीडियो देखा, उसने हैरानी जताई।

पब्लिक जगहों पर प्राइवेसी अब ज्यादा खतरे में है। अगर आप मोबाइल फोन से वीडियो बनाते हैं, तो कैमरा साफ दिखता है। लेकिन, स्मार्ट ग्लास में कैमरा चश्मे में छिपा होता है। पता नहीं चलता कि वीडियो कौन रिकॉर्ड कर रहा है। भारत में कोई खास कानून नहीं लेकिन, भारत में स्मार्ट ग्लास पर कोई खास कानून नहीं है। डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट यह नहीं कहता कि पब्लिक जगह पर वीडियो रिकॉर्ड करते समय आपको दूसरे व्यक्ति को बताना होगा। यह जानने का कोई अधिकार नहीं है कि आपका वीडियो कहाँ रिकॉर्ड किया गया था या इसे डिलीट करने के लिए कहने का कोई साफ तरीका नहीं है। इसका मतलब है कि अजनबी कहीं भी आपकी फोटो और वीडियो ले सकते हैं, चाहे वह कैफे, मेट्रो, पार्क या मंदिर में हो। महिलाओं की प्राइवेसी को पूरी तरह से सुरक्षित रखने का कोई आसान तरीका नहीं है। इसलिए महिलाओं को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

काव्य, संस्कृति और राष्ट्रभाव का अनुपम संगम

राष्ट्रीय चेतना अभिव्यक्ति परिवार की काव्य गोष्ठी संपन्न

हिन्द सागर प्रलोका,
(hindsagarplk.com)

बेंगलुरु वर्ष 2026 के आदर्श माने जाने वाले फरवरी माह के प्रथम रविवार को बेंगलुरु की प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संस्था राष्ट्रीय चेतना अभिव्यक्ति परिवार की एक भव्य एवं सुव्यवस्थित काव्य गोष्ठी का आयोजन अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। साहित्य, संवेदना और आध्यात्मिक चेतना से ओत-प्रोत इस आयोजन ने श्रोताओं के मन को गहराई से स्पर्श किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के संस्थापक प्रोफेसर अरविंद गुप्ता एवं अध्यक्ष डॉ. मंजू गुप्ता लता के स्वागत उद्बोधन से हुआ। इसके पश्चात डॉ. रेनू कुकरेती ने जयपुर से पधारी मुख्य अतिथि डॉ. अंजु सक्सेना का सारगर्भित परिचय प्रस्तुत किया। वहीं राधेश्याम यादव सुदर्शन ने विशिष्ट अतिथि डॉ. अश्वनी सचिन सदा व्रत जी का परिचय कराते हुए साहित्यिक यात्रा पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की शुरूआत दो रिचा पाठक द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण शारदा वंदना से हुई, जिसने पूरे वातावरण को भक्ति, श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। इसके बाद काव्य पाठ का ऐसा सिलसिला प्रारंभ हुआ, जिसने जीवन के विविध रंगों और समाज के अनेक पक्षों को उजागर किया।

गोष्ठी की विशेषता यह रही कि प्रस्तुत रचनाएं केवल कविता नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन थीं। बसंत ऋतु के उल्लास से आरंभ होकर कविताएं वर्तमान सामाजिक समस्याओं, प्रेम दिवस की संवेदनाओं, अम्मा की रसोई, बाजारवाद, श्रीराम की मयार्दा, स्त्री-शक्ति, कहानी-कविता ह्लहमीद का चमचाह्ल, देशभक्ति गीतों, शिव भक्ति वंदना तथा लक्ष्मी-नारायण संवाद जैसे विषयों को स्पर्श करती हुई श्रोताओं के हृदय तक पहुंचीं। श्रीमती उषा उमेश गुप्ता, गीता चौबे गंज, डॉ. उषा कंसल, डॉ. निर्मल बी., डॉ. खेमकरण, नमिता सिंह, डॉ. अनीता पांडा, अन्वी, रेखा गुप्ता, डॉ. मृदुला चौहान, उर्मिला श्रीवास्तव ह्यउर्मीह्ल, राधेश्याम सुदर्शन, डॉ. सौम्या, डॉ. राजेश श्रीवास्तव, नीना गुप्ता, आशा रानी शरण, रेखा गुप्ता, कमल कुमार अग्रवाल, मीनू बिरयानी, प्रोफेसर अरविंद गुप्ता, डॉ. मंजू लता सहित अनेक रचनाकारों ने अपनी श्रेष्ठ कृतियों से काव्य पटल को गौरवान्वित किया। मुख्य अतिथि डॉ. अंजु सक्सेना एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. अश्वनी सचिन सदा व्रत जी ने प्रस्तुत रचनाओं की सारगर्भित समीक्षा करते हुए सभी रचनाकारों की प्रशंसा की तथा स्वयं भी अपनी सुंदर, भावपूर्ण रचनाएं प्रस्तुत कर गोष्ठी की गरिमा को और बढ़ाया। कार्यक्रम का कुशल एवं सधे हुए शब्दों में संचालन संस्था की सचिव मीना गुप्ता द्वारा किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत राष्ट्रगान के साथ काव्य गोष्ठी का भावपूर्ण एवं गरिमामय समापन हुआ। यह साहित्यिक आयोजन न केवल कविता का उत्सव था, बल्कि संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और राष्ट्रभाव को सुदृढ़ करने का एक प्रेरक प्रयास भी सिद्ध हुआ।

13 दिवसीय अखंड जाप का भव्य समापन, शिवमोग्गा में गूंजा आध्यात्मिक वातावरण

हिन्द सागर प्रलोका संवाददाता।
(hindsagarplk.com)

शिवमोग्गा। आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष तथा आचार्य तुलसी दीक्षा शताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद, शिवमोग्गा द्वारा राष्ट्रव्यापी आध्यात्मिक पहल के अंतर्गत आयोजित 13 दिवसीय अखंड जाप का सफलतापूर्वक समापन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन ने पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना, अनुशासन और सामूहिक साधना का प्रेरक वातावरण निर्मित किया।

दक्षिण क्षेत्र के अंतर्गत यह अखंड जाप 23 जनवरी 2026 से 4 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन रात्रि 9:00 बजे से 11:00 बजे तक तेरापंथ भवन, के.आर. पुरम रोड, शिवमोग्गा में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में परिषद के पदाधिकारियों, सदस्यों और स्वयंसेवकों ने नियमित रूप से भाग लेकर भक्ति एवं साधना की निरंतरता बनाए रखी, जिससे पूरे आयोजन काल में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

यह आयोजन परिषद के अध्यक्ष निखिल कोठारी एवं सचिव रोहित कोठारी के मार्गदर्शन में सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। उनके नेतृत्व, समन्वय एवं सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम अनुशासित, प्रेरणादायी और सफल रहा।

परिषद ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले स्वयंसेवकों– प्रकाश चाज्जेड, राजेश बाटेवरा, राहुल बरलोटा, दिनेश नाहर, प्रज्वल चाज्जेड, कुशल बाफना, जतिन बाटेवरा, प्रतम बरलोटा, मुकेश मिरोती, नवीन नाहर, रमेश सांचेती, करण गाडिया, मिथिल बरलोटा, ललित गाडिया, श्रेयांस कोठारी एवं देविचंद बाफना–के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

विशेष रूप से राजेश बाटेवरा की निरंतर उपस्थिति, सहभागिता और सदस्यों को प्रेरित करने की भूमिका को सराहा गया। परिषद के अनुसार उनका समर्पण अन्य प्रतिभागियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहा।

कार्यक्रम के सफल समापन पर परिषद ने सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे आध्यात्मिक, संस्कारवर्धक और प्रेरणादायी आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

प्रेषक : शांतिलाल साकरिया, शिवमोग्गा

आइए, अच्छे इंसान बनकर जिएं – साध्वी देवप्रिया दीदी जी

हिन्द सागर प्रलोका,
(hindsagarplk.com)

हुबली जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल भौतिक सुख-सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि एक अच्छा इंसान बनकर समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी बनना ही सच्ची साधना है। यह प्रेरक संदेश हरिद्वार स्थित पतंजलि योग पीठ की साध्वी देवप्रिया दीदी जी ने कर्नाटक दौरे के दौरान हुबली के गोकुल रोड स्थित नानकी कन्वेंशन हॉल में आयोजित महा सत्संग में दिया।

साध्वी देवप्रिया दीदी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संसार में तीन प्रकार के लोग होते हैं–एक जो बिना विवेक के पशुओं की तरह जीवन जीते हैं, दूसरे जो प्रेम और करुणा के साथ मानवता का मार्ग अपनाते हैं, और तीसरे वे जो ईश्वरतुल्य आचरण करते हैं। उन्होंने कहा कि भले ही हम सभी साधु-संन्यासी न बन पाएं, लेकिन अच्छा इंसान बनकर जीना हर किसी के लिए संभव है और हमें इसी दिशा में निरंतर प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इंसान बनकर जीने का अर्थ है–दूसरों के प्रति संवेदना, सहानुभूति और सम्मान का भाव रखना। जब तक हमारे व्यवहार में इंसानियत नहीं होगी, तब तक हमारा जीवन अधूरा रहेगा। उन्होंने भारतीय संस्कृति, परंपराओं और स्वदेशी विचारधारा को अपनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि यही सच्ची देशसेवा का मार्ग है।

साध्वी देवप्रिया दीदी जी ने पर्यावरण संरक्षण को आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि प्रकृति को बचाना केवल नारा नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार बनना चाहिए। साथ ही उन्होंने देशभक्ति की भावना पर जोर देते हुए कहा कि हमें आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले भगत सिंह, सुखदेव जैसे क्रांतिकारियों के बलिदान को समझना और उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

उन्होंने एक सरल उदाहरण के माध्यम से बताया कि बच्चे हमारी बातों से ज्यादा हमारे आचरण की नकल करते हैं। इसलिए माता-पिता और समाज के हर व्यक्ति को यह ध्यान रखना चाहिए कि उनका व्यवहार ऐसा हो, जिसे बच्चे गर्व से अपनाएं।

इस अवसर पर पतंजलि योग पीठ, हरिद्वार के चीफ सेंट्रल इंचार्ज स्वामी परमार्थ देव जी ने कहा कि पतंजलि योग पीठ निरंतर स्वदेशी मंत्र को साकार कर रही है। आज पतंजलि के माध्यम से 5,000 से अधिक उत्पाद बनाए जा रहे हैं, जिससे लगभग 5 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और लाखों लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि पतंजलि का लक्ष्य केवल व्यापार नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और स्वस्थ समाज का निर्माण है।

इससे पूर्व योगगुरु बाबा रामदेव जी ने हरिद्वार से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से लगभग 40 मिनट तक उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने पतंजलि की कर्नाटक यात्रा, योग, आयुर्वेद और भारतीय परंपराओं के वैज्ञानिक आधार पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे प्रत्येक संस्कार और रीति-रिवाज के पीछे गहरा विज्ञान छिपा है, जिसे समझने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि हरिद्वार में जीवन से जुड़े अनेक प्रश्नों के वैज्ञानिक समाधान उपलब्ध हैं।

बैठक में कर्नाटक के नौ जिलों–हुबली, धारवाड़, बेलगाम, चिक्कोडी, उत्तर कन्नड़, हावेरी, गडग, बागलकोट और दावणगेरे–के योग इंचार्जों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किए और योगियों से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस महा सत्संग में हजारों लोगों ने सहभागिता कर योग, स्वदेशी और संस्कारों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम में पतंजलि योग समिति के स्टेट इंचार्ज भवरलाल आर्य, नॉर्थ कर्नाटक इंचार्ज किरण मन्नोलकर, स्टेट कमेटी मेंबर बालचंद्र शर्मा, किसान इंचार्ज संजय कुस्तीगर, स्टेट महिला इंचार्ज श्रीदेवी अशोक कुमार, युवा भारत स्टेट इंचार्ज किरण कुमार, रामचंद्र हेगड़े, रघुराम भट्ट, सुनील कुमार वामन, शानभाग पूर्णिमा हरावी, उमा अंगड़ी, महेश कोटिगेरे, लीलावती शंभरानी सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यह महा सत्संग आध्यात्मिक चेतना, राष्ट्रप्रेम और मानव मूल्यों को सुदृढ़ करने का एक सशक्त माध्यम बना।

कविता : बाजार

पहले हम बाजार जाते थे ,
अब बाजार हमारे घर आते हैं ।
हर एक का अलग बाजार ।
बाजार की क......ई दुकानें।
अमीर गरीब बच्चे बूढ़े सभी।
मीशो, फ्लिपकार्ट , बिल्किट के दीवाने।
छुप कर बैठे हैं मोबाइल में ।
क्लिक क्लिक ....
सामान आ जाते हैं मनमाने।
बाजार ही बाजार
सड़कों पर नुक्कड़ पर।
यूट्यूब गूगल पर,
पर सुकून कहीं नहीं बिकता ।
बिकती है मृगतृष्णा।
बिकता है स्वर्ण मृग ।
मारीच सा बहका कर ले जाता है
ई एम आई के दल दल में।
क्रेडिट कार्ड के जाल से।
बाजार ही बाजार
पर सलीका कहीं नहीं बिकता ।
बिकती है फूहड़ नकल,
आपसी स्पर्धा और ट्रेंड ऐसे ऐसे.......
तेरी कमीज मेरी कमीज से सफेद कैसे?
बाजार का विज्ञापन
और विज्ञापनों का बाजार ......
संतोषी मन पर भी करता है प्रहार, बार-बार....
रस्सी सा, सिल को भी खा जाता है
और हर कोई बाजार की चपेट में, आ जाता है।
बाजार का एक और है कोहराम।
माय डियर ब्राण्ड है उसका नाम ।
शान का प्रतीक मगर
खोखला फरेब।
हर कोई कटवाता है
स्वयं ही अपनी जेब।
हर कोई घूमता है
बाजार के चारों ओर ,
कोल्हू के बैल की तरह निरंतर
और बाजार उसका ही लेता है तेल निकाल।
सेल और डिस्काउंट के चाबुक खाता है,
दिन-रात चलता रहता है ।
बाजार आज के दौर का सबसे चतुर है सत्य,
जिसकी हो गई है हम सबको लत।

सर्वाधिकार सुरक्षित
2/2/2026
रेखा गुप्ता
बेंगलूरु

साइबर आरोपों से सनपे टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर जगदीश चौधरी को क्लीन चिट, जांच में पूरी तरह निर्दोष पाए गए

हिन्द सागर प्रलोका संवाददाता
(hindsagarplk.com)

हुबली-धारवाड़। दिल्ली स्थित सनपे टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड एवं उसके डायरेक्टर जगदीश चौधरी को साइबर अपराध से जुड़े एक प्रकरण में माननीय न्यायालय से पूर्ण राहत मिली है। हुबली-धारवाड़ पुलिस द्वारा की गई विस्तृत, निष्पक्ष एवं तथ्यपरक जांच में यह स्पष्ट हो गया कि कंपनी और उसके डायरेक्टर का किसी भी प्रकार की अवैध साइबर गतिविधि से कोई संबंध नहीं है। जांच रिपोर्ट के आधार पर न्यायालय ने उन्हें साइबर आरोपों से बरी कर दिया।

प्रकरण में एफआईआर संख्या 0191/2024 के अंतर्गत दर्ज मामले की गहन जांच के दौरान पुलिस ने सभी तकनीकी, बैंकिंग और दस्तावेजी तथ्यों की बारीकी

से समीक्षा की। जांच में यह सामने आया कि 18 अक्टूबर 2024 को 1,89,000 की जो ट्रांजैक्शन पंजाब नेशनल बैंक ् 6058002100002053 के खाते में दर्ज हुई थी, जिसका ट्रांजेक्शन आईडी क्ठ/429279883051/63593220925/ठक्व्टश्अळक्र वह पूरी तरह से वैध, अधिकृत और कंपनी की नियमित व्यावसायिक प्रक्रिया का हिस्सा थी।

पुलिस जांच में यह भी प्रमाणित हुआ कि उक्त लेन-देन करोल बाग, नई दिल्ली स्थित अधिकृत एजेंट विशाल पारस मोबाइल के माध्यम से मिनाज अहमद को प्रदान की गई सेवाओं से संबंधित था, जो नियमानुसार और वैध सेवा वितरण के अंतर्गत आता है। इस ट्रांजैक्शन से जुड़े सभी केवाईसी, बैंक रिकॉर्ड, एपीआई लॉग्स एवं कंपनी दस्तावेज पूरी तरह दुरुस्त और नियमों के अनुरूप पाए गए कम्पनी सर्विसेज प्रोवाइडर का काम करती है कम्पनी डेशबोर्ड सर्विस देती है लेनदेन तटस्थ तरीके से संचलित करती है धन की प्राप्ति के लिये कम्पनी कर्मचारी या प्रबन्धक कोई व्यक्तिगत सलिप्तता नही रहती जो भी अमाउंट होगा वॉलेट में ऐड कर दिया जाता है उसके बाद उस सर्विस का उपयोग एजेंट द्वारा ग्राहकों सर्विस प्रदान की जाति है अकॉउंट लेनदेन के लिये एजेंट वह ग्राहक स्वयं की जिम्मेदारी होती है ।

जांच के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि सनपे टेक्नोलॉजी प्रा. लि. एक पंजीकृत और प्रतिष्ठित फिनटेक सेवा प्रदाता कंपनी है, जो पिछले तीन वर्षों से नई दिल्ली से सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। कंपनी बीबीपीएस, यूटिलिटी बिल पेमेंट, डीएमटी, ट्रैवल, एईपीएस सहित कई डिजिटल सेवाएं प्रदान करती है और सभी सेवाएं आरबीआई से लाइसेंस धारी वेंडरों से एवं संबंधित नियामक दिशानिदेर्शों के अंतर्गत संचालित हैं।

हुबली-धारवाड़ पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जांच का उद्देश्य केवल सत्य तक पहुंचना था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा,

हमारा लक्ष्य वास्तविक साइबर अपराधियों की पहचान करना है। जांच में यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया कि सनपे टेक्नोलॉजी और उसके डायरेक्टर निर्दोष हैं।ह्व

न्यायालय के इस निर्णय से न केवल कंपनी और उसके डायरेक्टर की छवि को बल मिला है, बल्कि यह फिनटेक क्षेत्र में कार्यरत उन सभी वैध सेवा प्रदाताओं के लिए भी एक मजबूत संदेश है जो नियमों, पारदर्शिता और कानून के दायरे में रहकर कार्य कर रहे हैं।

यह फैसला यह भी दशार्ता है कि भारतीय न्याय व्यवस्था और पुलिस तंत्र निष्पक्ष जांच के माध्यम से निदोर्षों को संरक्षण देने में सक्षम है, जिससे डिजिटल और फिनटेक उद्योग में विश्वास और सुदृढ़ होता है।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु,शनिवार,07 फरवरी 2026

संपादकीय

चुनौतियों का जवाब देने वाला बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट भारत के सभी समूहों की आकांक्षाओं, आंतरिक और बा चुनौतियों व आवश्यकताओं, राजनीतिक मांग एवं नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा देश के घोषित आर्थिक विकास लक्ष्यों की कसौटी पर खरा है या नहीं? पिछले कुछ समय से उत्पन्न वैश्विक उथल-पुथल में भारत को अपनी विकास गति बनाए रखने के साथ नई वैश्विक सांझेदारी, निर्यात बाजार आदि विकसित करने तथा घरेलू उत्पादकों को नीतियों और प्रोत्साहन से समर्थन देने की चुनौती है। बजट में कोई लोक लुभावन घोषणा नहीं, पूरा फोकस इस बात पर कि इस उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के दौर में देश की अर्थव्यवस्था सुरक्षित, मजबूत और स्थिर होने के साथ विस्तारित भी हो, विश्व व्यापार के अनुरूप पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण उत्पादन हो, किशोर और युवा वर्ग को भारत राष्ट्र के लक्ष्य और रोजगार दिलाने के अनुरूप शिक्षा, रोजगार के अवसर उपलब्ध हों। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में 3 कर्त्तव्य के नाम पर लक्ष्य और बजट की सैद्धांतिक आधारभूमि स्पष्ट कर दी। पहला, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने तथा वैश्विक उथल-पुथल के परिदृश्य में लचीलापन लाकर आर्थिक विकास को तेज करना और उसकी गति बनाए रखना। दूसरा, भारत की समृद्धि के पथ में सशक्त सांझेदार बनाने के लिए लोगों की आकांक्षाएं पूरी करना और उनकी क्षमता बढ़ाना तथा तीसरा, सरकार की सबका साथ, सबका विकास के दृष्टिकोण के अनुकूल, यह सुनिश्चित करना कि सार्थक भागीदारी के लिए प्रत्येक परिवार, समुदाय और क्षेत्र को संसाधनों, सुविधाओं और अवसरों तक पहुंच उपलब्ध हो। वित्त मंत्री ने आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए निम्न क्षेत्रों में पहल शुरू करने का प्रस्ताव रखा। एक, रणनीतिक और अग्रणी क्षेत्रों में विनिर्माण को तेज करना। दो, विरासत के औद्योगिक क्षेत्रों का कायाकल्प करना। तीन, चौंपियन एम.एस.एम.ई. का निर्माण करना। चार, आधारभूत संरचना को सशक्त प्रोत्साहन प्रदान करना। पांच, दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और स्थायित्व सुनिश्चित करना तथा छरू, शहरों में आर्थिक क्षेत्र विकसित करना। तमाम उथल-पुथल के बीच नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा घोषित लक्ष्यों के अनुरूप राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत तक सीमित रखना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इसीलिए इस वर्ष के लिए 4.3 प्रतिशत का लक्ष्य है। पूंजीगत खर्च, जो आधारभूत संरचना पर खर्च होता है, के लिए 12 लाख 20 करोड़ का आबंटन सरकार की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है। यह कुल बजट का लगभग 23 प्रतिशत है। विनिर्माण, सेवा और कृषि हमारी अर्थव्यवस्था और विकास के मूलाधार हैं। कुशल और दक्ष युवा वर्ग तैयार करना भारत का बड़ा लक्ष्य है, क्योंकि जब हम अन्य देशों से मोबिलिटी समझौता करते हैं तो काम करने वालों के क्षेत्र का भौगोलिक विस्तार हो जाता है। 2047 तक भारत का सेवा क्षेत्र में वैश्विक हिस्सा 10 प्रतिशत तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निश्चित है। वैश्विक बायोफॉर्मा निर्माण केन्द्र के रूप में भारत को विकसित करने के लिए कुल 10,000 करोड़ रुपए से बायोफॉर्मा शक्ति की शुरूआत हो रही है जो बायोलॉजिक और बायोसिमिलरों के घरेलू उत्पादन के लिए अगले पांच वर्षों में ईको-सिस्टम का निर्माण करेगी। सैमीकंडक्टर और ए.आई. क्षेत्र में देर से आने के बावजूद अग्रणी देश बनने की दृष्टि से महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं। विश्व में प्रतिस्पर्धा के अनुरूप टिकाऊ वस्त्र और परिधानों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग जगत और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से वस्त्र कौशल ईको-सिस्टम के आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए समर्थ 2.0 कार्यक्रम की शुरूआत हो गई है। रेशम, ऊन और जूट जैसे प्राकृतिक फाइबर, मानव निर्मित फाइबर और नए युग के फाइबरों में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्रीय फाइबर योजना है तो मशीनरी, प्रौद्योगिकी उन्नयन, परीक्षण एवं प्रमाणन केन्द्रों के लिए पूंजीगत सहायता के साथ पारम्परिक क्लस्टरों के आधुनिकीकरण के लिए वस्त्र विस्तार एवं रोजगार योजना। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को 10,000 करोड़ की विकास निधि का प्रस्ताव है, ताकि भविष्य के चौम्पियनों का निर्माण किया जा सके और निर्धारित विशेषताओं के आधार पर उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा सके। पर्यावरण रूप से टिकाऊ आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए पूर्वी भारत में डानकूनी से पश्चिमी भारत के सूरत को जोडने के लिए नए समघ्पत माल गलियारे, 5 वर्षों में 20 नए राष्ट्रीय जलमार्गों (एन.डब्ल्यू.) का संचालन, जलमार्गों और तटीय पोत परिवहन की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2047 तक 12 प्रतिशत करने के लिए तटीय कार्गोनन, सात उच्च-गति रेल कॉरीडोर विकसित करना, सी-प्लेन के स्वदेशी निर्माण के लिए प्रोत्साहन के लिए योजना आदि प्रमुख हैं। इनके साकार होने के बाद कल्पना करिए कि भारत विश्व स्तरीय यातायात में कहां खड़ा होगा। कुल मिलाकर 2047 के विकसित भारत का लक्ष्य पाने और उसके आगे सतत छलांग लगाते रहने के लिए वर्तमान एवं दूरगामी भविष्य की संभावित आवश्यकताओं और चुनौतियों की दृष्टि से बजट समग्र दृष्टिकोण और योजनाएं प्रस्तुत करता है।

यूरोप के साथ मुक्त व्यापार आसान नहीं होगा

> मदर ऑफ ऑल डील्स कहे जाने वाले इस मुक्त व्यापार समझौते का परिणाम 2 दशकों से रुकी हुई बातचीत के बाद सामने आया है। लेकिन क्या यह सफल होगा? या फिर (अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा यूरोप और भारत दोनों पर टैरिफ का हथियार रखने के कारण) जल्दबाजी में किए गए इस समझौते की संतान जन्मजात रूप से दोषपूर्ण है? यूरोपीय संघ और भारत द्वारा पहली बार रणनीतिक संबंध की घोषणा के 3 साल बाद, 2007 में मुक्त परमाणु समझौते (एफ.टी.ए.) की वार्ता शुरू हुई। उस समय भारत नहीं, बल्कि चीन यूरोपीय संघ का सबसे पसंदीदा सांझेदार था। इसके बाद 15 दौर की वाताओं से कुछ खास हासिल नहीं हुआ। यूरोप भारत के प्रति अपने एकतरफा रवैये पर अड़ा रहा। कृषि जैसे पहलुओं और यूरोपीय उत्पादों पर भारत द्वारा लगाए गए अत्यधिक शुल्क को लेकर वास्तविक चिंताएं थीं। भारत कार्बन उत्सर्जन कम क्यों नहीं करता, अपने औद्योगीकरण को क्यों नहीं रोकता और पश्चिमी देशों की मांगों को क्यों नहीं मानता?

पद्मा राव सुन्दरजी

इस सप्ताह के अंत तक, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन, जो गणतंत्र दिवस परेड की मुख्य अतिथि थीं, संभवतरू उस दस्तावेज पर हस्ताक्षर करेंगी, जिसे उन्होंने ऐतिहासिक बताया है-भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता। मदर ऑफ ऑल डील्स कहे जाने वाले इस मुक्त व्यापार समझौते का परिणाम 2 दशकों से रुकी हुई बातचीत के बाद सामने आया है। लेकिन क्या यह सफल होगा? या फिर (अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा यूरोप और भारत दोनों पर टैरिफ का हथियार रखने के कारण) जल्दबाजी में किए गए इस समझौते की संतान जन्मजात रूप से दोषपूर्ण है? यूरोपीय संघ और भारत द्वारा पहली बार रणनीतिक संबंध की घोषणा के 3 साल बाद, 2007 में मुक्त परमाणु समझौते (एफ.टी.ए.) की वार्ता शुरू हुई। उस समय भारत नहीं, बल्कि चीन यूरोपीय संघ का सबसे पसंदीदा सांझेदार था। इसके बाद 15 दौर की वाताओं से कुछ खास हासिल नहीं हुआ। यूरोप भारत के प्रति अपने एकतरफा रवैये पर अड़ा रहा। कृषि जैसे पहलुओं और यूरोपीय उत्पादों पर भारत द्वारा लगाए गए अत्यधिक शुल्क को लेकर वास्तविक चिंताएं थीं। भारत कार्बन उत्सर्जन कम क्यों नहीं करता, अपने औद्योगीकरण को क्यों नहीं रोकता और पश्चिमी देशों की मांगों को क्यों नहीं मानता? क्या भारतीय चुपके से यूरोपीय संघ के उच्च श्रम और पर्यावरण मानकों का उल्लंघन करेंगे? भारत ने चीन के कहीं अधिक सकल घरेलू उत्पाद (2007 में भारत के 1.2 ट्रिलियन डॉलर की तुलना में लगभग 3.4 ट्रिलियन डॉलर), तेजी से सस्ते सामान का उत्पादन और वितरण करने की उसकी क्षमता तथा उसके बढ़ते उपभोक्ता बाजार को नजरअंदाज कर दिया। चीन-यूरोपीय संघ के बीच व्यापार और निवेश फलता-फूलता रहा लेकिन ब्रसेल्स में चीन के गैर-लोकतांत्रिक स्वरूप और मानवाधिकार रिकॉर्ड का शायद ही कभी जिक्र हुआ। 2013 तक, भारत-यूरोपीय संघ वार्ता अधर में लटक गई। हालात तब बदले, जब चीन से आर्थिक और भू-रणनीतिक खतरे का सामना कर रहे अमरीका ने इंडो-पैसिफिक नामक एक नए महासागर की खोज की और उस देश को लुभाना शुरू किया जो इसके सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर प्रभुत्व रखता था-भारत। यूरोप ने भी इसका अनुसरण किया और भारत-यूरोपीय संघ एफ.टी.ए. पर बातचीत 2022 में फिर से शुरू हुई। यूरोपीय लोग आमतौर पर अतिशयोक्ति नहीं करते, लेकिन पिछले सप्ताह दिल्ली में चिंतन फाऊंडेशन द्वारा आयोजित एक भरे हुए सैमीनार में, यूरोपीय संघ के 3 सबसे छोटे राज्यों-इटली, माल्टा और एस्टोनिया-के प्रतिनिधियों और भारतीय विश्लेषकों ने इस बात पर जोर दिया कि मुक्त व्यापार समझौता लगभग पूरा हो चुका है। हालांकि, समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं। यूरोपीय संघ के लिए, भारत द्वारा शराब, स्पिरिट और डेयरी उत्पादों पर लगाए गए 150 प्रतिशत तक के उच्च टैरिफ एक समस्या है। भारत के लिए, यूरोपीय संघ के कड़े बौद्धिक संपदा अधिकार नियम उसके अपने अधिक लचीले पेटैंट कानूनों से टकराते हैं, जिनके कारण सस्ती जैनरिक दवाएं संभव हो पाती हैं। यूरोप खरीद प्रक्रियाओं तक अधिक पहुंच चाहता है लेकिन आत्मनिर्भर भारत स्थानीय आपूर्तिकत्ताओं को प्राथमिकता देता है। इसके अलावा, यूरोप का कार्बन बॉर्डर एडजस्टैंट मैकेनिज्म (सी.बी.ए.एम.) भी है, जिसे सस्ते, पर्यावरण के लिए हानिकारक उत्पादों को यूरोपीय संघ में प्रवेश करने से रोकने के लिए बनाया गया है। स्टील, एल्यूमीनियम, सीमैंट आदि पर लगाए गए भारी गैर-टैरिफ अवरोधों के कारण भारतीय लघु एवं मध्यम उद्यमों पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा। शराब, स्पिरिट और डेयरी उत्पादों पर टैरिफ कम करने से घरेलू किसानों, स्थानीय शराब उद्योग और राज्य सरकार के राजस्व को खतरा होगा। यूरोपीय ऑटोमोबाइल पर टैरिफ कम करने से भारत में विनिर्माण क्षेत्र की नौकरियां खतरे में पड़ जाएंगी। यूरोपीय संघ के कृषि उत्पादों के लिए कड़े मानक (उदाहरण के लिए बासमती चावल पर कीटनाशकों की सीमा) और जटिल प्रमाणन प्रक्रियाएं भी अनुपालन के लिए कठिन होंगी। मानव संसाधन का सवाल भी है। यूरोप एक स्पष्ट एकीकृत आव्रजन नीति के बिना भारतीय नर्सों, तकनीशियनों, आई.टी. प्रतिभाओं आदि को लुभाने की कोशिश कर रहा है। भारत ऐसे कामगारों के लिए आसान वीजा प्रक्रिया और निर्बाध आवागमन चाहता है। अंततरू, यूरोपीय संघ की संरचना और उसकी जटिल प्रक्रियाएं एक बड़ी खामी हैं। ऑब्जर्वर रिसर्च फाऊंडेशन के अर्थशास्त्री संजीव आहलूवालिया बताते हैं कि जब तक सभी 28 यूरोपीय संघ के सदस्य देश इसकी पुष्टि नहीं कर देते, तब तक यह समझौता केवल कागजों पर ही रहेगा। लेकिन भारत के यूरोपीय संघ के अलग-अलग देशों के साथ संबंध भिन्न-भिन्न हैं। पुष्टि प्रक्रिया के दौरान इनमें टकराव हो सकता है। तो क्या भारत-यूरोपीय संघ के मुक्त व्यापार समझौते को दस्तावेज पर हस्ताक्षर होते ही एक सफल और आवश्यक विवाह का परिणाम घोषित किया जा सकता है? इसका जवाब जानने में कम से कम एक साल और लगेगा।

पंथक वोटरों के लिए तय करना मुश्किल कि असैंबली चुनावों में वोट दें या नहीं

> स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गई। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या अपना क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

इकबाल सिंह चन्नी

2027 के पंजाब असैंबली के लिए पंथक मामले एक केंद्रीय मुद्दा बन गए हैं। सभी राजनीतिक दल पंथक एजैंडे को आगे रखकर चुनाव जीतने की कोशिश कर रहे हैं। सभी पार्टियां खुद को पंथक सपोर्टर और दूसरी पार्टियों को पंथ विरोधी बताने में कोई कसर नहीं छोड़ रहीं। लेकिन इस पूरे परिदृश्य में, लगभग सभी पाष्टयों की हालत हमाम में सब नंगे जैसी हो गई है क्योंकि इस समय सभी मुख्य पार्टियों पर पंथक हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लग रहा है। अगर हम मौजूदा राजनीतिक दलों का विश्लेषण करें, तो सभी पार्टियों पर पंथक मुद्दों पर किसी पर कुछ कम और किसी पर कुछ ज्यादा आरोप लग रहे हैं। यह सब समझने के लिए, आइए सभी प्रमुख पार्टियों कांग्रेस, भाजपा, आप और अकाली दल बादल के पंथक मुद्दों के प्रति पिछले बर्ताव का विश्लेषण करते हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी और सबसे लंबे समय तक देश और राज्यों पर राज करने वाली कांग्रेस की बात करें, तो सबसे ज्यादा आरोप इसी पार्टी पर लगते हैं। देश आजाद होने के बाद, जब कांग्रेस सत्ता में आई, तो सिखों यानी पंथ के साथ भेदभाव का दौर शुरू हो गया। अगर इतिहास देखें, तो देश आजाद होने के बाद, सिखों से किए गए वादों को भूलकर, कांग्रेस ने सिखों के साथ भेदभाव करना शुरू कर दिया, जिसमें पंजाब के गवर्नर द्वारा सिखों को क्रिमिनल कम्युनिटी घोषित करना, भाषा के आधार पर पंजाबी राज्य बनाने से मना करना, पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ को केंद्र शासित बनाना, पानी के बंटवारे में पंजाब के साथ भेदभाव करना, पंजाब की चुनी हुई सरकारों को बार-बार तोड़कर राष्ट्रपति शासन लागू करना, श्री अमृतसर के दरबार साहिब में श्री अकाल तख्त पर हमला करना और उस समय की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली और देश के अलग-अलग हिस्सों में सिखों का कत्लेआम करना और सिखों के कातिलों को सजा देने की बजाय उन्हें ऊंचे पद देना शामिल था। लेकिन कांग्रेस पार्टी इन आरोपों के जवाब में ज्ञानी जैल सिंह को राष्ट्रपति, स. बूटा सिंह को गृहमंत्री, स. मनमोहन सिंह को देश का प्रधानमंत्री बनाने का श्रेय लेकर खुद को पंथक हितैषी होने का दावा करती है। शिरोमणि अकाली दल, जिसे अब अकाली दल बादल के नाम से जाना जाता है, खुद को पंथ का सबसे बड़ा हमदर्द बताता है और उस पर कई पंथ विरोधी काम करने के कई आरोप हैं। इनमें खासकर 1978 में हुई निरंकारी घटना, मोगा कॉन्फ्रैंस के दौरान अकाली दल को पंथक पार्टी की जगह पंजाबी पार्टी घोषित करना, बाबा राम रहीम की बेअदबी के लिए उनके खिलाफ एक्शन न लेना, सरकारी मदद से बाबा राम रहीम की फिल्म चलाना, बाबा राम रहीम को माफ करना, शांति से प्रोटैस्ट करने वाले सिखों पर गोली चलाना और श्री अकाल तख्त साहिब के हुक्मनामे को पूरी तरह लागू न करना तथा सिख मसलों को पूरी तरह हल न करना शामिल है। अकाली दल बादल ने इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है और सिख पंथ के लिए किए गए अपने कामों का हवाला देकर खुद को सिख पंथ का प्रवक्ता बताया है। इन कामों में पंजाबी सूबा बनाना, सिख गुरुओं के दिनों को बड़े पैमाने पर मनाना, सिख शहीदों की यादगारें बनाना, सिख इतिहास को दुनिया के सामने लाना, विरासत-ए-खालसा जैसी यादगारें बनाना, सिख धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए देश-विदेश में प्रचार केंद्र खोलना और कई दूसरे काम शामिल हैं। आप, जो कुछ साल पहले ही बनी है, अब तक खुद को सैक्युलर पार्टी के तौर पर पेश करती रही है लेकिन उसने सिखों से किए वादे, जैसे बेअदबी और बहबल कलां और कोटकपूरा गोली कांड में इंसाफ का वादा पूरा नहीं किया है। इसके अलावा, सुल्तानपुर में गुरुद्वारा साहिब पर पुलिस की फायरिंग, आप के मुख्यमंत्री द्वारा सिख मयार्दाओं का उल्लंघन, अकाल तख्त साहिब और गुरु की गोलक के बारे में कहे गए अपशब्द, हर दिन हो रही बेअदबी की घटनाएं और गायब पवित्र स्वरूपों की बरामदगी पर यू-टर्न। लेकिन आम आदमी पार्टी ने भी दूसरों की तरह खुद को पंथक हितों के रखवाले के तौर पर पेश करना शुरू कर दिया है। आप का दावा है कि उसने बेअदबी करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाए हैं, गायब पवित्र स्वरूपों के मुद्दे पर एफ.आई.आर. दर्ज की है और एस.आई.टी. बनाई है तथा गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस को आधिकारिक तौर पर मनाया है। चौथी मुख्य पार्टी, भाजपा को भी कई तरह की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री का डर और संसद की गरिमा

> मोदी सरकार में संसदीय परंपराओं और मयार्दा को किस तरह बार-बार तोड़ा गया, ये उसके चंद उदाहरण हैं। लेकिन अब तो संसदीय इतिहास को मुंह चिढ़ाते हुए मोदी सरकार ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसका अगला पायदान तानाशाही ही लगता है।राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष की तरफ से चर्चा के बिना ही पारित करा दिया गया। पाठक जानते हैं कि 2 और 3 फरवरी को राहुल गांधी को सत्तापक्ष ने पूरा भाषण नहीं देने दिया। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोद मुकुंद नरवणे की किताब के कुछ अंश कारवां पत्रिका में प्रकाशित हुए थे, जिसे राहुल गांधी ने सत्यापित करने के बाद उद्धृत करना चाहा लेकिन सत्ता पक्ष की टोकाटाकी के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने उन्हें नियम 349 का हवाला देते हुए अनुमति नहीं दी। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा भी कि मैं बिना उद्धृत किए ही अपनी बात रखता हूं, लेकिन जैसे ही वे चीन पर बोलने लगे, सत्ता पक्ष की घबराहट देखकर आसंदी ने उन्हें बोलने नहीं दिया। इसके बाद विपक्ष के किसी सांसद ने भाषण नहीं दिया। राहुल गांधी तो सदन में बहादुरी के साथ डटे रहे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कायरता की नयी मिसाल देश के सामने पेश की। वे संसद आए और फिर वापस लौट गए। बुधवार शाम पांच बजे उनका भाषण लोकसभा में निर्धारित था, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला का कहना है कि उन्होंने ही प्रधानमंत्री को सदन में आने से मना किया था। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि कांग्रेस के सांसद उन पर शारीरिक हमला कर सकते थे।

संसद सत्र को सत्ता पक्ष की तरफ से ही बाधित करना, एक साथ विपक्ष के सौ से ज्यादा सांसदों का निलंबन, सदन के भीतर एक अल्पसंख्यक सांसद के लिए अपशब्दों का प्रयोग, पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल, महिला सांसदों के लिए अभद्र टिप्पणियां, संसद के भीतर गंगीन धुआं उड़ाना, संसद में हिंदू पंडितों से पूजा-पाठ करवाकर धर्मनिरपेक्षता की बलि चढ़ाना और सुबह सत्र संचालित करा रहे राज्यसभा सभापति का अचानक शाम को स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा और उन्हें औपचारिक विदाई तक न देना, मोदी सरकार में संसदीय परंपराओं और मयार्दा को किस तरह बार-बार तोड़ा गया, ये उसके चंद उदाहरण हैं। लेकिन अब तो संसदीय इतिहास को मुंह चिढ़ाते हुए मोदी सरकार ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसका अगला पायदान तानाशाही ही लगता है।राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष की तरफ से चर्चा के बिना ही पारित करा दिया गया। पाठक जानते हैं कि 2 और 3 फरवरी को राहुल गांधी को सत्तापक्ष ने पूरा भाषण नहीं देने दिया। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोद मुकुंद नरवणे की किताब के कुछ अंश कारवां पत्रिका में प्रकाशित हुए थे, जिसे राहुल गांधी ने सत्यापित करने के बाद उद्धृत करना चाहा लेकिन सत्ता पक्ष की टोकाटाकी के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने उन्हें नियम 349 का हवाला देते हुए अनुमति नहीं दी। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा भी कि मैं बिना उद्धृत किए ही अपनी बात रखता हूं, लेकिन जैसे ही वे चीन पर बोलने लगे, सत्ता पक्ष की घबराहट देखकर आसंदी ने उन्हें बोलने नहीं दिया। इसके बाद विपक्ष के किसी सांसद ने भाषण नहीं दिया। राहुल गांधी तो सदन में बहादुरी के साथ डटे रहे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कायरता की नयी मिसाल देश के सामने पेश की। वे संसद आए और फिर वापस लौट गए। बुधवार शाम पांच बजे उनका भाषण लोकसभा में निर्धारित था, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला का कहना है कि उन्होंने ही प्रधानमंत्री को सदन में आने से मना किया था। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि कांग्रेस के सांसद उन पर शारीरिक हमला कर सकते थे। इस बीच हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही को शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। ओम बिड़ला ने कहा कि अगर कोई घटना हो जाती तो लोकतंत्र की मयार्दा तार-तार हो जाती। उसे टालने के लिए मैंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वह सदन में ही ना आएं। अंत में उनके ही भाषण के बिना ही धन्यवाद

प्रस्ताव को मंजूर करने का फैसला हुआ। हालांकि संसद टीवी में दिख रहा है कि कांग्रेस की महिला सांसद राहुल गांधी को बोलने से रोकने का विरोध कर रही थीं और उनके हाथों में पोस्टर थे। उनका इरादा प्रधानमंत्री मोदी पर हमले का नहीं था। लेकिन अब उसी घटना की वजह से प्रधानमंत्री के बुधवार को लोकसभा में न आने की सफाई दी जा रही है।तो कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी हाथ में पोस्टर थामी हुई चंद महिला सांसदों से डर गए। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि क्या सरकार ने इस पर कोई रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। किन-किन महिला सांसदों पर सरकार का आरोप है, और उन आरोपों के लिए सबूत क्या हैं, यह सब देश को मालूम होना चाहिए, क्योंकि सवाल नरेन्द्र मोदी नहीं प्रधानमंत्री की सुरक्षा का है। क्या इसके बाद अमित शाह और अजित डोभाल को अपने पदों से इस्तीफा नहीं दे देना चाहिए, क्योंकि जो संसद में प्रधानमंत्री को सुरक्षित न रख पाएं, वो देश की सुरक्षा का क्या खाक करेंगे। वैसे यह भी शायद पहली बार ही होगा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा पर संसद के भीतर ही खतरा बने। नरेन्द्र मोदी को अब देश के सामने एक सूची सौंप ही देनी चाहिए कि उन्हें किन-किन बातों से डर लगता है। इनमें चीन, डोनाल्ड ट्रंप, राहुल गांधी, कुछ नाम तो जाहिर हैं, अब शायद विपक्ष की महिला सांसदों का नाम भी जुड़ जाएं, इसके आगे मोदी और भी चीजें जोड़ सकते हैं। वैसे प्रधानमंत्री के संसद में भाषण न देने की असल वजह राहुल गांधी ही लग रहे हैं। बुधवार को राहुल गांधी संसद में मनोज नरवणे की किताब लेकर आए थे, और पत्रकारों से उन्होंने कहा था कि वे इसे प्रधानमंत्री को सौंपेंगे, ताकि वे खुद पढ़ें कि क्या लिखा हुआ है। इस सुपुर्दगी से बचने के लिए ही प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा से गायब हो गए।बुधवार को संसद में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को ढाल बनाने का पैंतरा भी मोदी के लिए असरकारी नहीं हुआ, बल्कि उसका उल्टा असर हुआ। निशिकांत दुबे ने कम से कम छह किताबों के हवाले से पं.नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी सब पर कीचड़ उछालने की कोशिश की, लेकिन वो आसमान में थूकने जैसी साबित हुई। निशिकांत दुबे ने नेहरू-गांधी परिवार के लिए अय्याशी, मक्कारी, भ्रष्टाचारी जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर हमले किए। इसके बाद गुरुवार को वे राहुल गांधी के कपड़ों पर आ गए कि वे टी शर्ट और ढीली-ढाली पतलून में आ जाते हैं, उनके मन में खादी के लिए सम्मान नहीं है, तो वे संसद का क्या सम्मान करेंगे। निशिकांत दुबे तो यहां तक कह गए कि राहुल गांधी ने तीन दिन से संसद को बंधक बना कर रखा है। इस तरह निशिकांत दुबे ने अपनी ही सरकार की कमजोरी दिखा दी, अगर संसद को विपक्ष ने बंधक बनाया भी तो सरकार में इतना दम नहीं है कि वो संसद को आजाद करा सके। वहीं पं.नेहरू, इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी के चरित्र पर कीचड़ उछाला गया तो पलट कर भाजपा नेता और दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के विवाहिता से प्रेम प्रसंग और संतान से लेकर नरेन्द्र मोदी द्वारा पत्नी का त्याग करना जैसे सारे प्रसंग याद दिलाए गए। इस तरह जो कीचड़ भाजपा ने कांग्रेस पर उछालना चाहा, वो पलट कर उस पर ही गिरा।

आध्यात्मिक चेतना व संस्कारयुक्त जीवन पर महंत दयाराम जी महाराज का संदेश—गुरुवाणी को अपनाने का आह्वान

हिन्द सागर प्रलोका संवाददाता।
(hindsagarplk.com)

शिकारपुरा तीर्थधाम। गुरुवाणी के आध्यात्मिक संदेश को जन-जन तक पहुंचाते हुए वर्तमान गादीपति महंत श्री 108 श्री दयाराम जी महाराज ने आधुनिक युग के मानव को आध्यात्मिक चेतना, संस्कारयुक्त जीवनशैली और राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर चलने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि गुरु महाराज श्री 1008 श्री राजाराम जी महाराज की गुरुवाणी केवल आध्यात्मिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि वर्तमान कलियुग में संतुलित, जागरूक और आदर्श जीवन जीने का मार्गदर्शन भी प्रदान करती है।

महंत श्री ने समाज, विशेषकर कलबी समाज सहित सभी सनातन धर्मावलंबियों से अपील की कि वे अतीत की भूलों से सीख लेते हुए गुरुवाणी के सिद्धांतों को अपनाएं और गुरु-भक्त तथा राष्ट्र-भक्त नागरिक बनकर अपना

इहलोक-परलोक सार्थक करें। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता और आधुनिक जीवन के संतुलन से ही समाज का नैतिक व सांस्कृतिक उत्थान संभव है।

बाल संस्कार और पारिवारिक उत्तरदायित्व पर विशेष जोर

महंत श्री दयाराम जी महाराज ने वर्तमान युग में बच्चों के संस्कार निर्माण पर माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए कहा कि गभार्धान काल से ही सात्विक जीवन, आध्यात्मिक वातावरण और गुरुवाणी के संस्कार अपनाने चाहिए। उन्होंने बच्चों के सनातनी नामकरण, पौष्टिक आहार, स्तनपान, सात्विक भाषा, धार्मिक अभिवादन तथा पारिवारिक संबंधों के ज्ञान को उनके व्यक्तित्व निर्माण के लिए आवश्यक बताया।

उन्होंने अभिभावकों को बच्चों को मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से यथासंभव दूर रखने, परिवार के साथ समय बिताने, शुद्ध भाषा व संयमित व्यवहार अपनाने और नशामुक्त वातावरण देने पर जोर दिया। महंत श्री ने कहा कि घर को मंदिर समान मानकर बच्चों के सामने किसी भी प्रकार का नशा न किया जाए और उन्हें सदैव स्वच्छता, पारंपरिक संस्कृति तथा शिष्टाचार की शिक्षा दी जाए।

शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रभावना का समन्वय महंत श्री ने बच्चों को संस्कारयुक्त शिक्षा देने, विद्यालय के शिक्षकों से नियमित संवाद रखने, शाकाहार, खेलकूद, सामाजिक सरोकार और पारिवारिक जिम्मेदारियों में सहभागिता को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि 13 वर्ष तक प्राप्त संस्कार जीवनभर स्थायी प्रभाव छोड़ते हैं, इसलिए बाल्यकाल में सही दिशा देना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बच्चों को भगवान राम, श्रीकृष्ण, हनुमान, छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप और भक्तिमती मीरा जैसे आदर्शों से प्रेरणा लेने की बात कही ताकि वे ज्ञानवान, गुणवान, दयावान और राष्ट्रभक्त नागरिक बन सकें।

नशामुक्त, संस्कारित और अहंकारमुक्त समाज का संदेश

महंत श्री दयाराम जी महाराज ने गुरुवाणी के पालन के साथ संस्कारयुक्त शिक्षा, नशामुक्त समाज और अहंकारमुक्त मानव निर्माण को समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि अभिभावक सही समय पर बच्चों का सृजनात्मक व संस्कारित पालन-पोषण करें तो वे समाज, राष्ट्र और धर्म के यशस्वी निमार्ता बनेंगे।

कार्यक्रम के अंत में गुरु महाराज श्री राजेश्वर भगवान व ठाकुर जी महाराज की कृपा से समाज में आध्यात्मिक जागृति, नैतिक उत्थान और मानव कल्याण की मंगलकामना की गई।

राजस्थान में स्टेट हाईवे टोल खत्म करने की मांग तेज, भाजपा विधायक बहादुर सिंह कोली ने विधानसभा में उठाया मुद्दा

हिन्द सागर प्रलोका संवाददाता।
(hindsagarplk.com)

जयपुर। राजस्थान में स्टेट हाईवे टोल को लेकर एक बार फिर सियासी चर्चा तेज हो गई है। भाजपा विधायक बहादुर सिंह कोली ने विधानसभा में राज्य के टोल नाकों को बंद कर प्रदेश को टोल-मुक्त करने की मांग उठाई है। उन्होंने टोल व्यवस्था को जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बताते हुए इसे तुरंत समाप्त करने की आवश्यकता जताई।

विधानसभा में पर्ची के माध्यम से अपनी बात रखते हुए कोली ने सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री से प्रदेश के सभी स्टेट हाईवे टोल खत्म करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि टोल नाके आम जनता के लिए बीमारी की तरह बन गए हैं, जिससे यात्रा महंगी होने के साथ लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता है।

कोली ने इस मुद्दे पर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की वसुंधरा राजे सरकार के दौरान राज्य के कई स्टेट टोल समाप्त कर दिए गए थे, लेकिन बाद में कांग्रेस सरकार ने दोबारा टोल व्यवस्था लागू कर दी, जिससे जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ा।

भाजपा विधायक ने यह भी कहा कि यदि राज्य सरकार पहले की नीति अपनाते हुए स्टेट हाईवे टोल समाप्त करती है तो प्रदेश की जनता को महंगाई से राहत मिलेगी और सफर अधिक सुगम हो सकेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मांग केवल उनके वैर विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे राजस्थान की जनता के हित में उठाई गई है।

राजनीतिक हलकों में इस मांग को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि सरकार की ओर से अभी तक इस विषय पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन आने वाले समय में यह मुद्दा प्रदेश की राजनीति और जनता के लिए अहम बन सकता है।

नई दिल्ली में कर्नाटक इखढ अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र की राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से शिष्टाचार भेंट

हिन्द सागर प्रलोका संवाददाता।
(hindsagarplk.com)

नई दिल्ली। कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने बुधवार को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच हुई यह

भेंट शिष्टाचार मुलाकात के रूप में बताई गई, जिसमें संगठनात्मक गतिविधियों, समसामयिक राजनीतिक परिदृश्य और पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा होने की जानकारी सामने आई है।

सूत्रों के अनुसार इस दौरान कर्नाटक में पार्टी संगठन की मजबूती, कार्यकताओं के साथ संवाद बढ़ाने तथा आगामी राजनीतिक रणनीतियों को लेकर विचार-विमर्श हुआ। विजयेंद्र ने कर्नाटक में चल रही संगठनात्मक गतिविधियों और विभिन्न जनसंपर्क अभियानों की जानकारी भी राष्ट्रीय अध्यक्ष को दी।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस प्रकार की बैठकें पार्टी संगठन को सुदृढ़ बनाने तथा राज्यों और केंद्रीय नेतृत्व के बीच समन्वय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हालांकि आधिकारिक तौर पर इसे शिष्टाचार भेंट ही बताया गया है, लेकिन इसे संगठनात्मक संवाद के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

बताया जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व आगामी चुनावी तैयारियों, सदस्यता विस्तार और जनसंपर्क अभियानों को और प्रभावी बनाने पर विशेष ध्यान दे रहा है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के बीच नियमित संवाद जारी है।

पार्टी कार्यकताओं ने इस मुलाकात को सकारात्मक बताते हुए उम्मीद जताई है कि इससे संगठनात्मक गतिविधियों को और गति मिलेगी तथा कर्नाटक में पार्टी की रणनीतियों को नई दिशा मिलेगी।

वशीकरण के नाम पर ठगी का मायाजाल बेनकाब: भिवाड़ी पुलिस ने शातिर तांत्रिक दानिश खान को मेरठ से दबोचा

हिन्द सागर प्रलोका संवाददाता।
(hindsagarplk.com)

भिवाड़ी (अलवर)। राजस्थान के अलवर जिले के भिवाड़ी क्षेत्र में वशीकरण, तंत्र-मंत्र और झाड़-फूंक के नाम पर लोगों को ठगने वाले एक शातिर तांत्रिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान दानिश खान के रूप में हुई है, जिसे पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश के मेरठ से दबिश देकर गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी भोले-भाले लोगों को झांसे में लेकर उनसे लाखों रुपये की ठगी करता था।

तिजारा डीएसपी शिवराज सिंह ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी सार्वजनिक स्थानों जैसे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और भीड़भाड़ वाले इलाकों में वशीकरण, तंत्र विद्या और हर समस्या के समाधान के नाम से पंपलेट व विज्ञापन लगाता था। इन पंपलेटों में दिए मोबाइल नंबरों पर संपर्क करने वाले लोगों को वह धीरे-धीरे विश्वास में लेकर अपने जाल में फंसा लेता था। आरोपी

खुद को तांत्रिक बताकर पारिवारिक, आर्थिक और व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान करने का दावा करता था।

पुलिस के अनुसार खुशखेड़ा थाना क्षेत्र निवासी संदीप मौर्या की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया। पीड़ित ने बताया कि आरोपी ने विभिन्न बहानों से उससे करीब 6 लाख 27 हजार रुपये ठग लिए। कभी विशेष पूजा सामग्री, कभी तंत्र क्रिया तो कभी बाधा निवारण के नाम पर लगातार पैसे ऐंठे गए।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपी की लोकेशन ट्रेस की गई, जिसके बाद पुलिस टीम ने मेरठ पहुंचकर दबिश दी और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी को भिवाड़ी लाकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस को आशंका है कि दानिश खान ने इसी तरीके से कई अन्य लोगों को भी अपना शिकार बनाया हो सकता है। जांच के दौरान यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी कब से इस ठगी के धंधे में सक्रिय था और अब तक कितने लोगों से कितनी रकम ठगी गई। पुलिस संभावित अन्य पीड़ितों से भी संपर्क करने की तैयारी कर रही है।

भिवाड़ी पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे तंत्र-मंत्र, वशीकरण या झाड़-फूंक के नाम पर होने वाली ठगी से सतर्क रहें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को देने का आग्रह किया गया है। पुलिस का कहना है कि जागरूकता ही ऐसे मामलों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

डीडवाना में एसीबी का बड़ा ट्रैप—एक लाख रुपये रिश्वत लेते सरपंच गिरफ्तार

हिन्द सागर प्रलोका संवाददाता।
(hindsagarplk.com)

डीडवाना (राजस्थान)। राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए डीडवाना जिले में एक सरपंच को एक लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जयपुर एसीबी टीम द्वारा की गई इस कार्रवाई से ग्रामीण स्तर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश गया है।

एसीबी से मिली जानकारी के अनुसार, परबतसर क्षेत्र के बाजवास ग्राम पंचायत के सरपंच राजेंद्र मोयल के खिलाफ एक परिवादी ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सरकारी योजना के तहत बिल पास कराने के एवज में सरपंच द्वारा कमीशन के रूप में रिश्वत की मांग की जा रही थी और लगातार दबाव बनाया जा रहा था।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का गोपनीय सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद जयपुर एसीबी टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की। तय योजना के अनुसार परिवादी से सरपंच को रिश्वत की राशि दिलवाई गई, जहां एसीबी टीम ने मौके पर पहुंचकर सरपंच राजेंद्र मोयल को एक लाख रुपये लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

बताया जा रहा है कि यह पूरी कार्रवाई एसीबी एसपी सुनील सियाग के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी सरपंच को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए रूपनगढ़ पुलिस थाने लाया गया, जहां उससे पूछताछ जारी है। एसीबी अब आरोपी के अन्य ठिकानों और वित्तीय लेनदेन की भी जांच करने की तैयारी कर रही है।

एसीबी अधिकारियों का कहना है कि राज्य में भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है और किसी भी स्तर पर रिश्वतखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ऐसी कार्रवाइयां लगातार जारी रहेंगी।

इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों में चर्चा तेज है और आमजन ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी की सख्ती का स्वागत किया है। वहीं एसीबी ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई अधिकारी या जनप्रतिनिधि रिश्वत मांगता है तो तुरंत शिकायत करें, ताकि भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

कार ने बाइक को मारी टक्कर दो लोगों की मौत, मासूम की हालत गंभीर

वाराणसी। सड़क हादसे की सूचना पाकर मौके पर चौबेपुर थाने की पुलिस पहुंच गई। स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को अस्पताल भेजा गया। यहां चिकित्सकों ने दो लोगों

को मृत घोषित कर दिया। वहीं, 10 साल के बालक का इलाज शुरू कर दिया गया था। चौबेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बभनपूरा के सामने रिंगरोड पुल पर इंडिका कार व बाइक सवार युवकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि बाइक एक किशोर घायल हो गया। बाइक पर तीन लोग सवार थे। ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र के ग्राम पंचायत कमौली निवासी रविंद्र कुमार मिश्रा (44) व ग्राम पंचायत सिंहवार निवासी श्रीनरायन यादव (60) की आपस में दोस्ती रही। दोनों सेना से अवकाश ग्रहण करने के बाद यूपी कालेज वाराणसी में सुरक्षा गार्ड की नौकरी करते थे। गुरुवार को चंदौली जनपद के सकलडीहा में किसी सहकर्मी के यहां मांगलिक कार्यक्रम रहा, जिसमें शामिल होने के लिए एक ही बाइक पर सवार होकर श्रीनरायन यादव, अपने 10 वर्षीय पोते प्रियांशु यादव व रविंद्र कुमार मिश्रा के साथ गए थे। परिजनों में मचा कोहराम सकलडीहा से लौटते समय जैसे ही बभनपूरा गांव के सामने 9.30 बजे करीब रिंगरोड की ढलान से नीचे उतरने के लिए घूमे उसी दौरान वाराणसी की ओर से जा रही तेज रफ्तार इंडिका कार से भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार तीनों लोग बुरी तरह से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। कार का चालक गाड़ी से कूद कर भाग गया। घटना की जानकारी राहगीरों ने पुलिस को दी तो कुछ ही देर में थानाध्यक्ष चौबेपुर इंद्रेश कुमार, चौकी प्रभारी चांदपुर रोशन राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जहां रविंद्र कुमार मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि श्रीनरायन यादव व प्रियांशु बुरी तरह से घायल हो कर छटपटा रहे थे। पुलिस कर्मियों ने घायलों को तत्काल बीएचयू के ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने श्रीनरायन यादव को भी मृत घोषित कर दिया। जबकि बुरी तरह से घायल प्रियांशु यादव को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया जहां, उसका उऊपचार चल रहा है। परिजनों ने दी तहरीर पुलिस ने इंडिका कार व दोनों के शव को कब्जे में ले लिया। मृतकों का पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी होते ही दोनों गांवों में कोहराम मच गया। परिजनों की रो-रो कर स्थिति बैहाल हो गई। श्रीनरायन यादव के परिवार में पत्नी चम्पा देवी (55), पुत्र सुनील यादव (37), हेमत यादव (32) के अलावा दो बेटियां हैं। घायल प्रियांशु, सुनील यादव का लड़का है, जो कक्षा 5 का छात्र है। मृतक रविंद्र कुमार मिश्रा के परिवार में पत्नी ममता देवी (40) व एक पुत्र विनीत कुमार है। वह स्नातक का छात्र है। थानाध्यक्ष चौबेपुर इंद्रेश कुमार ने बताया कि घटना के बारे में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

कीटनाशक दवा का किया सेवन, पिछले वर्ष चाचा ने की थी खुदकुशी

वाराणसी। महिला पहलवान की मौत की जानकारी मिलते ही लंका थाने की पुलिस भी पहुंच गई। परिजनों से बातचीत के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं, यह बात चर्चा में रही कि निधि ने आखिर क्यों ऐसा कदम उठाया। कछवा रोड मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के ठटरा गांव निवासी महिला पहलवान निधि सिंह पुत्री स्वर्गीय प्रकाश सिंह 24 वर्ष ने बुधवार की शाम कीटनाशक दवा का सेवन कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार, निधि के माता-पिता की वर्षों पहले मौत हो चुकी है। निधि तीन बहन और एक भाई में तीसरे नंबर की थी। कुश्ती की पहलवान थी। जिला व प्रदेशस्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेती थी। वाराणसी-मिजार्पुर और भदोही क्षेत्र में होने वाले कुश्ती प्रतियोगिता में महिला वर्ग की पहलवानों में विजेता रही है। महिला पहलवानों में निधि लोकप्रिय थी।

पलवानी के साथ-साथ पढ़ाई भी करती थी। वह बसमत्ती देवी महाविद्यालय में बीएससी की छात्रा थी। उसके दादा-दादी का रो-रो कर बुरा हाल है। घर में अचानक बुधवार की शाम कीटनाशक दवा के सेवन करने की सूचना मिलते ही भाई शिवम द्वारा इलाज के लिए बीएचयू स्थित ट्रामा सेंटर में ले जाकर भर्ती कराया गया। परिजनों में मचा कोहराम शुक्रवार की सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। बड़ी बहन की शादी हो गई है। छोटी बहन हाई स्कूल में पढ़ाई करती है। भाई शिवम प्रयागराज में रहकर तैयारी कर रहा है। बता दें कि वर्ष 2024 में होली के दिन निधि के चाचा शिव प्रकाश सिंह ने अपने लाइसेंसी पिस्टल से सिर में गोली मारी थी। परिजनों द्वारा ट्रामा सेंटर में भर्ती कराए जाने के 6 दिन बाद इलाज के दौरान मौत हो गई थी। 2018 में निधि ने कुश्ती के लिए मिजार्पुर जिले के कछवा स्थित डीआईजी अखाड़े में प्रैक्टिस करना शुरू किया था। दादा माता दयाल सिंह एवं दादी श्यामा देवी बेटे-बहू के निधन के बाद से ही बच्चों की परवरिश कर रहे थे। महिला पहलवान के शव को लंका पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए कब्जे में लिया।

गंगा बैराज पर केडीए की कार्रवाई, 16 बीघा में अवैध प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर

कानपुर। केडीए की टीम ने जोन-एक बी के अंतर्गत गंगा बैराज रोड और सिंहपुर क्षेत्र में करीब 16 बीघा जमीन पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को तीन जेसीबी मशीनों की मदद से ध्वस्त कर दिया। कानपुर में के डीए अवैध निर्माण और अनाधिकृत प्लॉटिंग के खिलाफ अभियान चला रहा है। इसके तहत शुक्रवार को गंगा बैराज रोड पर करीब 16 बीघा क्षेत्रफल में अवैध रूप से विकसित की जा रही प्लाटिंग ध्वस्त की गई। यह कार्रवाई जोन-एक बी में की गई। विशेष कार्याधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम ने ग्राम ख्यौरा कटरी (गंगा बैराज से मंधना मोड़) और ग्राम ज्यौरा, आजाद नगर (सिंहपुर रोड) क्षेत्र में अवैध रूप से विकसित की जा रही दो प्लॉटिंग साइटों पर कार्रवाई की। पहली साइट लगभग 7.5 बीघा और दूसरी लगभग 8.5 बीघा में फैली थी।

प्राधिकरण की अनुमति और ले-आउट स्वीकृति के बिना विकसित की जा रही इन कॉलोनियों में बनाए गए गेट, सड़क, नाला, बाउंड्रीवाल, बिजली के खंभे, पिलर और अधूरे, निमार्णाधीन भवनों को तीन जेसीबी मशीनों से ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान अवर अभियंता हिमांशु बर्नवाल, सुपरवाइजर अनिल शर्मा, राम औतार, मनोज, राजकुमार, लाल सिंह सहित केडीए का अमला और थाना बिठूर का पुलिस बल मौजूद रहा। आर्थिक और मानसिक नुकसान से बचा जा सके डॉ. रवि प्रताप सिंह ने बताया कि नवाबगंज, कल्याणपुर और बिठूर थाना क्षेत्र में स्थित गांवों की लगभग आठ बीघा भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण और प्लॉटिंग को भी चिन्हित किया जा चुका है, जिन पर जल्द ही सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम जनता से अपील की कि प्राधिकरण क्षेत्र में जमीन खरीदने से पहले के डीए से ले-आउट स्वीकृति की जानकारी अवश्य लें और भवन निर्माण से पूर्व मानचित्र स्वीकृत कराएं, ताकि भविष्य में आर्थिक और मानसिक नुकसान से बचा जा सके।

पंचायतों पर सख्ती, बिना जीएसटी भुगतान पर रोक

बस्ती। ग्राम पंचायतों में अब सभी तरह के भुगतान पर जीएसटी (गुड्स सर्विस टैक्स) को अनिवार्य कर दिया गया है। ताकि फर्जी फर्मों के नाम से होने वाले भुगतान को प्रभावी स्तर पर रोका जा सके। इसके लिए निदेशालय के निर्देश पर सभी 1187 ग्राम पंचायतों की जीएसटी बनवाने के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। 20 ग्राम पंचायत सचिवों को भेजे नोटिस, सचिवालय से बाहर भुगतान करने पर मांगा स्पष्टीकरण साथ ही कहा गया है कि बिना जीएसटी नंबर के किसी भी फर्म को कोई भुगतान न दिया जाए। अब तक 1089 ग्राम पंचायतों की जीएसटी बन गई है, जबकि 98 का अभी प्रक्रिया में है। पंचायतीराज विभाग ने भुगतान में मनमानी और ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर मनमाने बिल-वाउचर फीड किए जाने के खुलासे के बाद ग्राम पंचायतों को जीएसटीएन आवंटित कराए जाने का निर्णय लिया गया है। ग्राम पंचायतों में जीएसटीएन आवंटन के लिए पंचायतीराज विभाग ने पंचायत सचिवों को जिम्मेदारी सौंपी है। बिना जीएसटी नंबर के भुगतान न करने के आदेश दिए गए हैं। ऐसा होने के बाद पंचायतीराज विभाग के माध्यम से मिलने वाले राज्य वित्त और केंद्रीय वित्त आयोग के साथ ही खुद की आमदनी के रुपये से भुगतान के समय ही सामग्री के अनुसार जीएसटी की कटौती करनी होगी। डीपीआरओ घनश्याम सागर ने बताया कि ग्राम पंचायतों में अब सामग्री पर तय दर के अनुसार भुगतान के समय जीएसटी की कटौती को अनिवार्य किया गया है। इससे ग्राम पंचायतें फर्जी फर्मों को भुगतान नहीं कर पाएंगी। फर्म को भुगतान करने पर जीएसटी कटौती होते ही जीएसटी विभाग को संबंधित फर्म की जानकारी हो जाएगी और कटौती की गई जीएसटी का भुगतान फिर बैंक में चालान के माध्यम से किया जाएगा। बताया कि अब तक 1089 ग्राम पंचायतों के पास जीएसटी नंबर हो गया है, वहीं 98 ने आवेदन किया है, जल्द ही उन्हें जीएसटी नंबर मिल जाएगा। इसके बाद ये पंचायतें खुद जीएसटी की कटौती कर सकेंगी। बाद में उसे बैंक में चालान के जरिये जीएसटी विभाग को धनराशि भेजेंगे।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु,शनिवार,07 फरवरी 2026

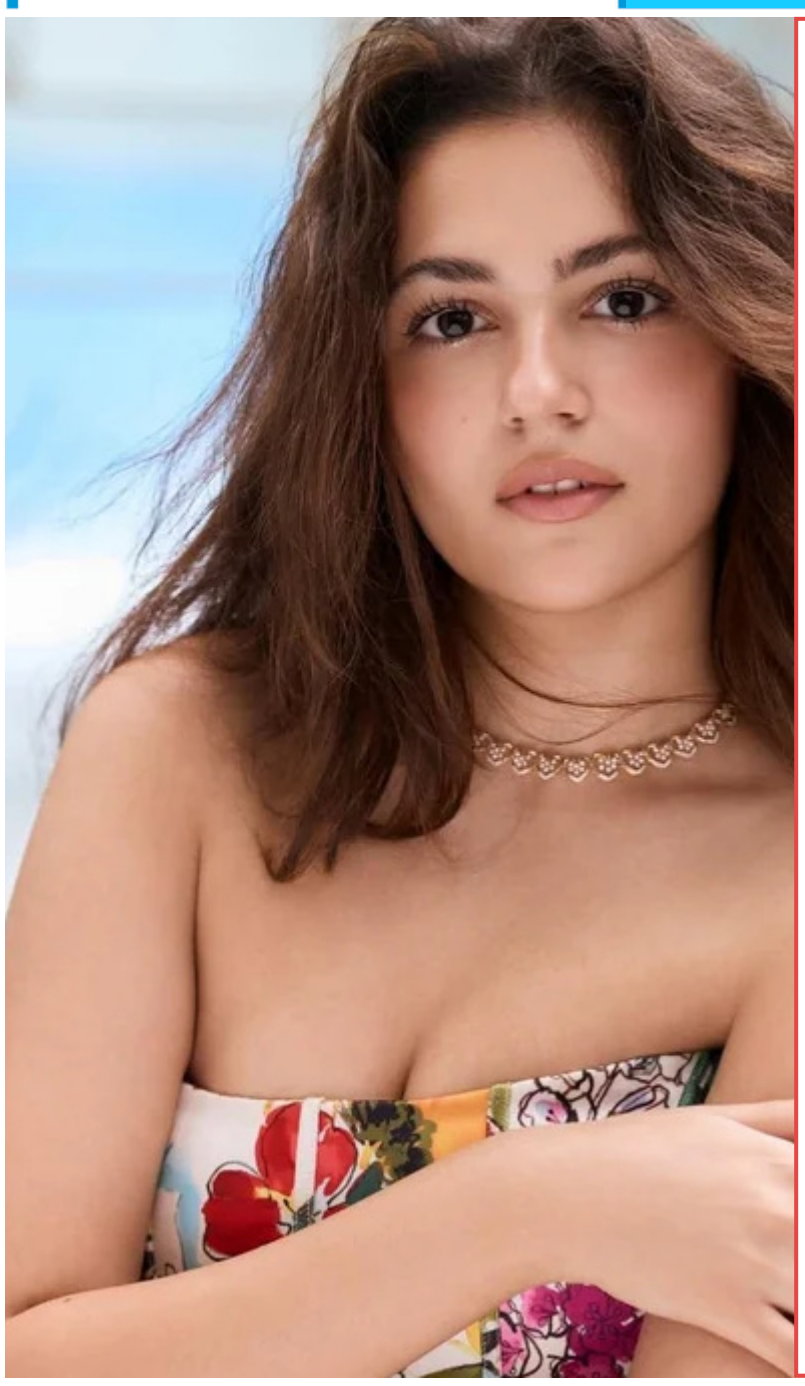

'शक्ति शालिनी' में अनीत पड्डा के साथ नजर आएगा ये एक्टर

ऑस्कर में नॉमिनेट हुई थी पिछली फिल्म

'शक्ति शालिनी' मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म है। फिल्म में लीड रोल में सैयारा फेम अनीत पड्डा हैं। अब इस फिल्म में एक नए एक्टर की एंट्री हो चुकी है। जानिए, कौन है वो? 'शक्ति शालिनी' मैडॉक यूनिवर्स की मच अवेटेड फिल्म है। फिल्म में सैयारा स्टार अनीत पड्डा नजर आएंगी। इस मूवी की शूटिंग मार्च में शुरू होगी। फिल्म में जबरदस्त ड्रामा और एक्शन देखने को मिलेगा। हाल ही इस फिल्म के मेल एक्टर को लेकर भी अपडेट सामने आई है। शक्ति शालिनी एक फीमेल-लेड एक्शन ड्रामा फिल्म है। इंडिया टुडे की खबर के मुताबिक विशाल जेठवा ने यह फिल्म साइन कर ली है। मैडॉक यूनिवर्स की इस फिल्म में वह अनीत पड्डा के साथ नजर आएंगे। वह फिल्म में अनीत के किरदार के लवर का रोल करेंगे। इस दिन रिलीज होगी फिल्म शक्ति शालिनी में जबरदस्त एक्शन के साथ-साथ एक पर्सनल और इमोशनल एंगल भी देखने को मिलेगा। यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स आगे भी मजेदार फिल्में ला रहा है। इसी साल के अगस्त में 'भेड़िया 2' और साल के आखिर में 'चामुंडा' फिल्म भी रिलीज हो सकती है। विशाल जेठवा का करियर फ्रंट विशाल जेठवा ने होमबाउंड और मदार्नी 2 जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया था। उनकी फिल्म होमबाउंड तो ऑस्कर 2026 में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटिगरी में भी शॉर्टलिस्ट की गई थी। इस फिल्म में भी विशाल के अभिनय को सराहा गया था।

ड्रग्स मामले में जानी-मानी एक्ट्रेस गिरफ्तार, तलाशी में पुलिस ने बरामद किए नशीले पदार्थ

तमिल फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जानी-मानी एक्ट्रेस अंजू कृष्णा को ड्रग्स रखने के आरोप में एंटी-नारकोटिक्स इंटेलिजेंस यूनिट (एएनआईयू) ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में अंजू कृष्णा के साथ एक असिस्टेंट डायरेक्टर समेत कुल आठ लोगों को हिरासत में लिया गया है। गिरफ्तारी की खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर यह मामला तेजी से वायरल हो गया है।

इस केस की शुरूआत एएनआईयू साउथ टीम के इंस्पेक्टर जॉनी चेल्लाप्पा द्वारा की गई एक कार्रवाई से हुई। पुलिस ने सबसे पहले नेसापक्कम निवासी विग्नेशवरन को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान विग्नेशवरन ने पोरूर के पास कोवूर इलाके में रहने वाले वेंकटेश कुमार का नाम उजागर किया। इसके बाद पुलिस ने वेंकटेश को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। एक फर्जी ग्राहक को उसके पास भेजा गया और जैसे ही सौदे की पुष्टि हुई, पुलिस ने छापेमारी कर दी। तलाशी के दौरान वेंकटेश की कार से ड्रग्स बरामद की गईं, जिसके बाद पूरे नेटवर्क का खुलासा होता चला गया। जांच आगे बढ़ने पर एक्ट्रेस अंजू कृष्णा और असिस्टेंट डायरेक्टर विंसी निवेथा समेत अन्य लोगों की भूमिका सामने आई। पुलिस ने सभी आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की गहन जांच जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 6 ग्राम मेथम्फेटामाइन,7 ग्राम ओजी गांजास 15 ग्राम गांजा, एक स्मोकिंग बोंग, एक स्टाम्प और 9 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। गिरफ्तार सभी आरोपियों को मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस ड्रग नेटवर्क से और कौन-कौन लोग जुड़े हो सकते हैं और इसकी सप्लाई चेन कितनी बड़ी है।अंजू कृष्णा तमिल सिनेमा की जानी-पहचानी एक्ट्रेस हैं। वह तमिल फिल्म वेल्लीमलाई में नजर आ चुकी हैं और इसके अलावा कुछ मलयालम फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। वहीं, विंसी निवेथा ने एक तमिल फिल्म में सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया था। बीते कुछ समय से दोनों ही फिल्म इंडस्ट्री से दूर चल रहे थे।

एक दो मुल्कों के गैंगस्टर भी लगे हुए हैं..कपिल शर्मा ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर साधा निशाना!

एक्टर-कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा में खुले नए कैफे पर पिछले साल 2025 में कई बार फायरिंग हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। वहीं, हाल ही में कॉमेडियन मजाक-मजाक में गैंगस्टर पर अप्रत्यक्ष रूप से तंज कसते दिखे। उनका ये बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। नेटफ्लिक्स के साथ कपिल शर्मा के लंबे एसोसिएशन को लेकर मोनिका शेरगिल ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म लंबे समय से कपिल के साथ काम करना चाहता था। मोनिका ने मजाक में कहा, हमारी नजर, इंडिया की नजर तो बहुत टाइम से आप पर है, कपिल. उम्मीद है, 11 मुल्कों की पुलिस की नजर नहीं होनी चाहिए। इस पर कपिल कहते हैं-एक दो मुल्कों के गैंगस्टर भी लगे हुए हैं आजकल। बता दें, कपिल शर्मा ने जुलाई में अपना नया कैप्स कैफे खोला था, जिसके कुछ दिनों बाद ही 10 जुलाई 2025 को पहली बार हमला हुआ। कैफे पर जब कई राउंड गोलियां चलीं। इसके बाद अगस्त 2025 में दूसरी बार फायरिंग हुई। इसमें करीब 25 राउंड गोलियां चलाई गईं। फिर 16 अक्टूबर 2025 को तीसरी बार फायरिंग हुई और ताबड़ तोड़ गोलियां चलीं। इसकी जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से जुड़े गोल्डी ढिल्लों और कुलवीर सिद्धू ने ली थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो कपिल को पिछली बार फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 में देखा गया था। इस फिल्म में आयशा खान, त्रिधा चौधरी, वरीना हुसैन और पारुल गुलाटी जैसे सेलेब्स नजर आए थे।

जब हकीकत ने सिनेमा को टक्कर दी, अस्फारुल हक मामला और द केरल स्टोरी 2

कभी-कभी वास्तविक जीवन की घटनाएं सिनेमा की कहानियों से इस कदर मेल खा जाती हैं कि समाज को झकझोर कर रख देती हैं। हाल ही में सामने आया अस्फारुल हक का मामला ऐसा ही एक उदाहरण बनकर उभरा है, जिसे लेकर यह कहा जा रहा है कि इसकी परिस्थितियां आगामी फिल्म द केरल स्टोरी 2रू गोज बियॉन्ड की कहानी से चौंकाने वाली समानता रखती हैं। पुलिस ने अस्फारुल हक नामक एक व्यक्ति को कथित तस्करी और शोषण रैकेट से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों के अनुसार आरोपी पर आरोप है कि वह महिलाओं से दोस्ती करने के लिए झूठी पहचान का इस्तेमाल करता था और बाद में उन्हें मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक रूप से ब्लैकमेल कर शोषण करता था। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में कई गंभीर तथ्य सामने आए हैं, जिनके आधार पर मामले की गहन जांच की जा रही है। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि कानून के तहत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस मामले ने तब और ज्यादा ध्यान खींचा जब इसकी तुलना फिल्म निमार्ता विपुल अमृतलाल शाह की आने वाली फिल्म द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड से की जाने लगी। फिल्म की कहानी भी इसी तरह की परिस्थितियों को दशार्ती है, जहां झूठी पहचान, भावनात्मक जाल और विश्वासघात के जरिए महिलाओं को फंसाने की साजिश को उजागर किया गया है। फिल्म में तीन हिंदू लड़कियों की कहानी दिखाई गई है, जो प्रेम और भरोसे के रिश्तों में उलझकर एक कथित गुप्त साजिश का शिकार हो जाती हैं। कहानी इस बात पर रोशनी डालती है कि कैसे मासूम और संवेदनशील महिलाओं को योजनाबद्ध तरीके से भ्रमित किया जाता है, उनके विश्वास का फायदा उठाया जाता है और फिर उन्हें मानसिक शोषण की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। अस्फारुल हक के मामले में भी पुलिस जांच के दौरान सामने आए आरोपों ने इसी तरह के तरीकों की ओर इशारा किया है। यही समानताएं फिल्म और वास्तविक घटना के बीच एक ऐसा संबंध स्थापित करती हैं, जो दर्शकों और समाज दोनों को सोचने पर मजबूर कर देती हैं। यह सवाल उठता है कि क्या सिनेमा केवल कल्पना है या वह समाज में मौजूद वास्तविक घटनाओं

का प्रतिबिंब भी हो सकता है। कई बार फिल्में उन मुद्दों को सामने लाती हैं, जिन पर खुलकर बात करना असहज माना जाता है। इस बीच, द केरल स्टोरी 2रू गोज बियॉन्ड का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है, जिसे दर्शकों की ओर से मिली-जुली लेकिन व्यापकप्रतिक्रिया मिली है। फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक कमाख्या नारायण सिंह ने किया है। ट्रेलर में गहन भावनात्मक दृश्यों और गंभीर विषयवस्तु के जरिए एक डरावनी सच्चाई को पेश करने की कोशिश की गई है। निमार्ताओं के अनुसार यह फिल्म किसी एक समुदाय को निशाना बनाने के बजाय महिलाओं की सुरक्षा, पहचान और उनके साथ होने वाले शोषण के मुद्दे पर केंद्रित है।

आजादी से काम नहीं कर सकती क्रिस्टन स्टीवर्ट ने अमेरिका छोड़ने का बनाया मन

ट्रंप शासन पर कसा तंज

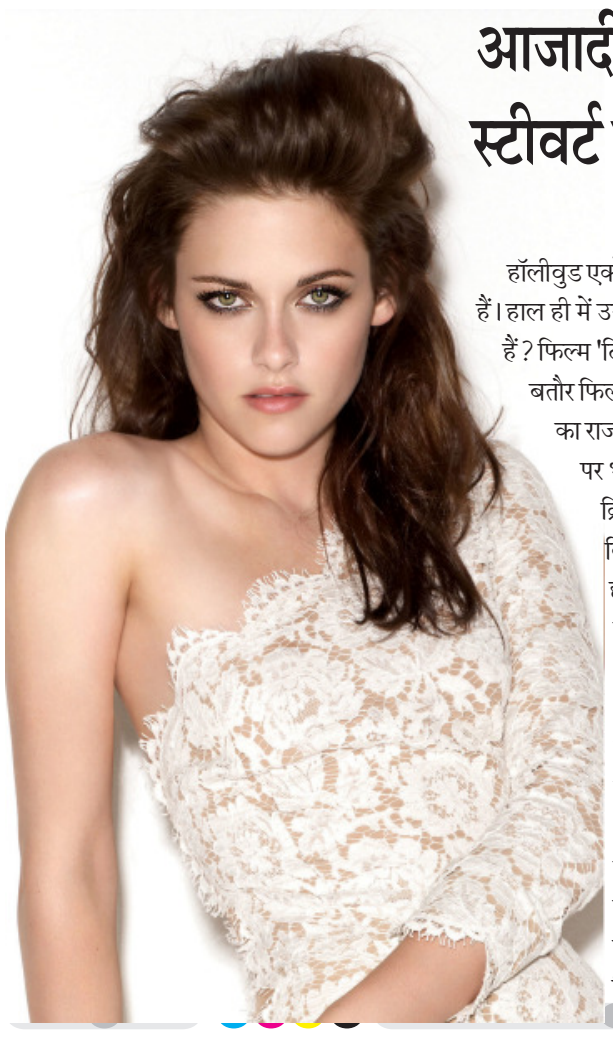

हॉलीवुड एक्ट्रेस क्रिस्टन स्टीवर्ट सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर खुलकर बात करती हैं। हाल ही में उन्होंने अमेरिका छोड़ने की बात कही। जानिए, ऐसा फैसला वह क्यों ले रही हैं? फिल्म 'ट्विलाइट फेम एक्ट्रेस क्रिस्टन स्टीवर्ट हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि वह बतौर फिल्ममेकर, एक्ट्रेस अमेरिका में सहज महसूस नहीं करती हैं। साथ ही अमेरिका का राजनीतिक माहौल भी उनको पसंद नहीं है। वह ट्रंप प्रशासन और उसकी नीतियों पर भी खुलकर बात कर चुकी हैं। अमेरिका में आजादी से काम नहीं कर पा रहीं क्रिस्टन द टाइम्स ऑफ लंदनह्न से हालिया बातचीत में क्रिस्टन स्टीवर्ट ने कहा कि वह अब अमेरिका में क्रिएटिव तौर पर सुरक्षित महसूस नहीं करती है। साथ ही वह अब यहां सहज महसूस नहीं करती हैं। जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या वह खुद को अमेरिका में रहते हुए आगे देखती हैं। इस पर उनका जवाब था, ह्यशायद नहीं।ह्न वह आगे कहती हैं, ह्यमैं यहां आजादी से काम नहीं कर सकती हूं। ट्रंप की नीतियों से नाराज एक्ट्रेस अपने इंटरव्यू में क्रिस्टन स्टीवर्ट ने ट्रंप की नीतियों को लेकर नाराजगी जाहिर की। वह कहती हैं, ह्यट्रंप के राज में सच्चाई पूरी तरह से टूट रही है।ह्न इसी इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा कि अब अमेरिका में क्रिएटिव फ्रीडम खत्म हो रही है। इस बात का उन्हें दुख है। जहां तक अमेरिका छोड़कर दूसरी जगह बसने का सवाल है तो वह यूरोप जाना का मन बना रही हैं। दरअसल, जिस तरह की क्रिएटिव फ्रीडम क्रिस्टन को चाहिए, वह उन्हें यूरोप में मिल सकती है। साथ ही वह काफी समय से इंडिपेंडेंट सिनेमा और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं।

सूबेदार का पोस्टर रिलीज, ताबड़तोड़ एक्शन करेंगे अनिल कपूर; जानें ओटीटी पर कहां देख सकेंगे फिल्म?

69 साल की उम्र में अनिल कपूर का एक्शन अंदाज दर्शकों को दिखेगा। शुक्रवार को उनकी अपकमिंग एक्शन फिल्म सूबेदार का पहला पोस्टर रिलीज हुआ। ओटीटी पर रिलीज होने वाली यह फिल्म कहां देख सकेंगे? जानिए।

सूबेदार फिल्म पिछले साल रिलीज होने वाली थी लेकिन पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा ना होने के चलते इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया। इस मूवी में अनिल कपूर और राधिका मदान लीड रोल में नजर आएंगे। यह एक एक्शन-थ्रिलर मूवी है। फिल्म का पहला पोस्टर और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की जानकारी आज मेकर्स ने शेयर की है। कौन से प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी फिल्म? फिल्म सूबेदार के पोस्टर में अनिल कपूर स्वैग के साथ पंच मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्टर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में ताबड़तोड़ एक्शन करेंगे। यह मूवी अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी। हालांकि अभी इसकी रिलीज डेट सामने नहीं आई है, लेकिन जल्द ही यह फिल्म रिलीज हो सकती है। क्या है मूवी की कहानी? इस फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। अनिल कपूर इस प्रोजेक्ट के को-प्रोड्यूसर भी हैं। मूवी में अनिल कपूर एक रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। जो परिवार पर खतरा आने पर दुश्मनों से निपटने के लिए फिर से अपने पुराने अवतार में लौटता है। फिल्म में एक्शन के साथ एक इमोशनल एंगल भी है। अनिल कपूर करियर फ्रंट पर और क्या कर रहे हैं? सूबेदार के अलावा अनिल कपूर कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। पिछले साल फिल्म 'वॉर 2' में नजर आए थे। इस साल 'अल्फा' और 'किंग' फिल्म में भी नजर आएंगे। दोनों ही फिल्में इसी साल रिलीज होंगी। 'किंग' फिल्म में अनिल कपूर के अलावा कई नामी एक्टर्स भी नजर आएंगे।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु,शनिवार,07 फरवरी 2026

बतौर कप्तान दो खिताब जीतने वाली खिलाड़ी बनीं स्मृति मंधाना, दिल्ली लगातार चौथा फाइनल हारी

वडोदरा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की दिल्ली कैपिटल्स पर छह विकेट से जीत के साथ महिला प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण का समापन हो गया। गुरुवार को वडोदरा में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में चार विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 19.4 ओवर में चार विकेट खोकर 204 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की दिल्ली कैपिटल्स पर छह विकेट से जीत के साथ महिला प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण का समापन हो गया। गुरुवार को वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में चार विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 19.4 ओवर में चार विकेट खोकर 204 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। दो डब्ल्यूपीएल खिताब जीतने वाली दूसरी कप्तान बनीं मंधाना आरसीबी ने दूसरी बार महिला प्रीमियर लीग का खिताब जीता है। इससे पहले टीम 2024 में दिल्ली के ही खिलाफ फाइनल मैच जीतकर चैंपियन बनी थी। इसी के साथ स्मृति मंधाना बतौर कप्तान दो डब्ल्यूपीएल खिताब जीतने वाली खिलाड़ी बन गईं। इस मामले में उन्होंने मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत कौर की बराबरी कर

ली, जिन्होंने 2023 औरर 2025 में खिताब जीता था। मंधाना और जॉर्जिया की रिकॉर्ड 165 रन की साझेदारी खिताबी मुकाबले में 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरूआत झटके के साथ हुई। चिनेल हेनरी ने नौ के स्कोर पर ग्रेस हैरिस को बोल्ड किया। वह सिर्फ नौ रन बना पाईं। इसके बाद मोर्चा स्मृति मंधाना और जॉर्जिया वॉल ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 92 गेंदों में 165 रनों की साझेदारी हुई और यही आरसीबी की जीत की सूत्रधार बनी। मंधाना और जॉर्जिया के बीच हुई यह साझेदारी किसी भी विकेट के लिए डब्ल्यूपीएल इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले मेग लैनिंग और शेफाली वर्मा के बीच 2023 में आरसीबी के खिलाफ 162 रनों की पार्टनरशिप हुई थी। इस दौरान जॉर्जिया ने 37 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और वह 54 गेंदों में 14 चौके की मदद से 79 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। मंधाना ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी वहीं, मंधाना ने 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 41 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के की मदद से 87 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इस दौरान मंधाना ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दीं। वह डब्ल्यूपीएल इतिहास की पांचवीं बल्लेबाज बन गईं जिसने 1000 रन से ज्यादा रन पूरे किए। इसी के साथ वह नेट शीवर ब्रंट (1348), मेग लैनिंग (1200), हरमनप्रीत कौर (1193) और शेफाली वर्मा (1124) के क्लब में शामिल हो गईं। मंधाना डब्ल्यूपीएल फाइनल में सर्वाधिक रनों की पारी खेलने वाली बल्लेबाज भी बन गईं। इस मामले में उन्होंने जॉर्जिया वॉल को पीछे छोड़ा। जीत की तरफ तेजी से बढ़ रही आरसीबी को 191 रन के स्कोर पर चौथा झटका लगा और चिनेल हेनरी का शिकार मंधाना बन गईं। लेकिन आरसीबी के बल्लेबाजों ने हार नहीं मानी और नादिन डी क्लार्क तथा राधा यादव ने क्रमशः सात और 12 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। दिल्ली ने बनाया दूसरा सबसे बड़ा स्कोर इससे पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में 203 का स्कोर बनाकर इतिहास रचा। टीम ने जेमिमा रोड्रिग्स की तूफानी 57 रनों की पारी की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 203 रन बनाए। यह डब्ल्यूपीएल इतिहास के किसी प्लेऑफ मुकाबले में बनाया गया दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले मुंबई ने पिछले साल गुजरात के खिलाफ एलिमिनेटर मैच में 213/4 रन बनाए थे। लिजेल ली और शेफाली के बीच हुई 49 रन की साझेदारी इस मुकाबले में दिल्ली की शुरूआत धीमी हुई। शुरूआती तीन ओवर के बाद टीम सिर्फ नौ रन बना पाई थी। चौथे ओवर में लिजेल ली ने गेयर बदला और सायली सतघरे को निशाना बनाते हुए पारी के चौथे ओवर में 20 रन झटके। पहले विकेट के लिए ली और शेफाली के बीच 49 रन की साझेदारी हुई। अरुंधति रेड्डी ने छठे ओवर की पांचवीं गेंद पर शेफाली को निशाना बनाया और वह 20 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद लिजेल ली भी 37 रन बनाकर आउट हो गईं। जेमिमा ने की हरमनप्रीत की बराबरी तीसरे विकेट के लिए एल. वोलवार्ड्ट और कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के बीच 51 गेंदों में 76 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान जेमिमा ने 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह डब्ल्यूपीएल के प्लेऑफ मैचों का दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। इससे पहले नेट शीवर ब्रंट ने 29 गेंदों में गुजरात जाएंट्स के खिलाफ अर्धशतक जड़ा था। वहीं, जेमिमा महिला प्रीमियर लीग के फाइनल में अर्धशतकीय पारी खेलने वाली तीसरी बल्लेबाज बन गईं। इस मामले में उन्होंने हरमनप्रीत कौर और नेट शीवर ब्रंट की बराबरी कर ली। मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत ने पिछले साल दिल्ली के खिलाफ खिताबी मैच में 66 रनों की पारी खेली थी। उससे पहले नेट शीवर ब्रंट ने 2023 में दिल्ली के खिलाफ खिताबी मैच में नाबाद 60 रन बनाए थे। वोलवाड्ट और हेनरी के बीच अर्धशतकीय साझेदारी जेमिमा को सायली सतघरे ने क्लार्क के हाथों कैच कराया। इसके बाद मोर्चा वोलवाड्ट और चिनेल हेनरी ने संभाला। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 24 गेंदों में 55 रनों की साझेदारी हुई और स्कोर 200 के पार पहुंचा। वोलवाड्ट ने 44 रन बनाए जबकि हेनरी 35 रन बनाकर नाबाद रहीं।

महिला प्रीमियर लीग के समापन समारोह में मलाइका ने लगाए चार चांद

वडोदरा। महिला प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण का समापन भी रंगारंग अंदाज में हुआ। फिल्म अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने समापन समारोह में चार चांद लगाए। उनके अलावा मशहूर गायक तलविंदर ने भी अपनी आवाज का जादू बिखेरा। महिला प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण का समापन भी रंगारंग अंदाज में हुआ। फिल्म अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने समापन समारोह में चार चांद लगाए। उनके अलावा मशहूर गायक तलविंदर ने भी अपनी आवाज का

जादू बिखेरा। बता दें कि, आज डब्ल्यूपीएल 2026 का फाइनल मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच वडोदरा में खेला जा रहा है। इस मैच में दिल्ली अपने पहले खिताब का लक्ष्य लेकर उतरी है जबकि आरसीबी दूसरी बार चैंपियन बनना चाहेगी। मलाइका और तलविंदर की धुनों पर झूमे प्रशंसक मलाइका अरोड़ा और तलविंदर ने शानदार परफॉर्मेंस से प्रशंसकों का दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर समापन समारोह की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रही हैं। पहले खिताब के लिए बेताब दिल्ली लगातार चार बार फाइनल में पहुंचने वाली दिल्ली को अपने पहले खिताब की तलाश है। दिल्ली को लगातार तीन बार फाइनल मैच में हार मिली है। दिल्ली कैपिटल्स इस बार नई कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वह फाइनल में पिछले तीन टूर्नामेंट में उपविजेता रहने के बाद पहली जीत के लिए बेताब है। आरसीबी की नजर दूसरे खिताब पर पूर्व चैंपियन आरसीबी ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है और मुश्किल परिस्थितियों में वापसी करने की अपनी क्षमता भी साबित की है। इसी जुझारूपन की बदौलत उसने लगातार पांच जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत करते हुए इतिहास रचा। वह डब्ल्यूपीएल में ऐसा करने वाली पहली टीम बन गई।

लिंसे स्मिथ ने लॉरेन बेल और जॉर्जिया वॉल की गोद में बैठ खिंचवाई फोटो तस्वीरों में जीत के पल

वडोदरा। महिला प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर अपना दूसरा खिताब जीता। जीत के बाद आरसीबी खिलाड़ियों ने मैदान पर जमकर जश्न मनाया। स्मृति मंधाना की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया, वहीं लॉरेन बेल, जॉर्जिया वॉल और लिंसे स्मिथ की क्यूट तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। ट्रॉफी के पास स्टेज पर बैठकर ली गई इन तस्वीरों ने जीत के जश्न को और खास बना दिया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने महिला प्रीमियर लीग 2026 का खिताब जीत लिया है। वडोदरा में खेले गए फाइनल में उसने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हरा दिया। आरसीबी का यह दूसरा खिताब रहा। इससे पहले उसने 2024 में ट्रॉफी अपने नाम की थी। हालांकि, तबकी और अबकी टीम में अंतर था और कई खिलाड़ी नए थे, लेकिन स्मृति मंधाना के नेतृत्व में आरसीबी ने बेहतरीन प्रदर्शन कर खिताब अपने नाम किया। जीत के बाद आरसीबी की टीम ने जमकर जश्न मनाया। खिलाड़ी भी काफी खुश दिखे। विदेशी स्टार्स जैसे लॉरेन बेल और जॉर्जिया वॉल भी मस्ती करती दिखीं। आइए तस्वीरों में जीत के पल देखते हैं... आखिरी 18 गेंद में आरसीबी को जीत के लिए 27 रन की दरकार थी। तब ऋचा घोष और स्मृति मंधाना क्रीज पर थीं। 18वें ओवर में ऋचा आउट हुईं। फिर 19वें ओवर में मंधाना 41 गेंद में 87 रन बनाकर आउट हो गईं। आखिरी छह गेंदों पर आरसीबी को 10 रन की जरूरत थी। हालांकि, नदिन डी क्लर्क और राधा यादव ने चार गेंद पर ही जीत दिला दी। जीत के बाद राधा ने डी क्लर्क को गले लगा लिया। डी क्लर्क आरसीबी के लिए गेम चेंजर साबित हुई हैं। लोअर ऑर्डर में उन्होंने कई मैच जिताऊ पारियां खेली हैं।

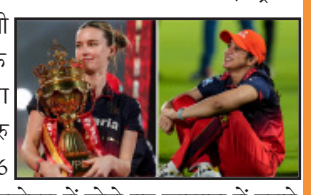

टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया को झटका हेजलवुड बाहर पहली बार बिग थ्री के बिना उतरेगी कंगारू टीम

सिडनी। टी20 विश्व कप 2026 से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। जोश हेजलवुड चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं, जबकि पैट कमिंस पहले ही हट चुके हैं। मिचेल स्टार्क के संन्यास के चलते ऑस्ट्रेलिया पहली बार बिग थ्री पेस अटैक के बिना विश्व कप खेलेगा। चयनकर्ता फिलहाल किसी रिप्लेसमेंट के मूड में नहीं हैं, जिससे टीम की गेंदबाजी पर अतिरिक्त दबाव साफ नजर आता है। आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 की शुरूआत से ठीक एक दिन पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। इससे पहले टीम के नियमित कप्तान और स्टार पेसर पैट कमिंस भी पीठ की चोट के चलते विश्व कप से हट चुके थे। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट में अपने मशहूर 'बिग थ्री' पेस अटैक के बिना मैदान में उतरेगा। मिचेल स्टार्क पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कह चुके हैं। हेजलवुड की वापसी की उम्मीद भी टूटी ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने शुक्रवार, 6 फरवरी को इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि टीम प्रबंधन को उम्मीद थी कि हेजलवुड सुपर-8 चरण तक फिट हो जाएंगे, लेकिन मेडिकल रिपोर्ट्स ने सभी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। डोडेमाइड ने कहा, 'हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर-8 तक मैच फिट हो जाएंगे, लेकिन ताजा संकेत यही हैं कि उन्हें अभी और समय लगेगा। उनकी रिकवरी को तेज करना बहुत जोखिम भरा हो सकता है।' फिलहाल नहीं होगा किसी खिलाड़ी का रिप्लेसमेंट ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति ने यह भी साफ किया कि फिलहाल किसी नए खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया जाएगा। टीम मैनेजमेंट शुरूआती मुकाबलों के लिए मौजूदा स्क्वॉड को ही पर्याप्त मान रहा है। डोडेमाइड ने आगे कहा, 'हम अभी किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी का ऐलान नहीं कर रहे हैं। शुरूआती मैचों के लिए टीम संतुलित है और जरूरत पड़ने पर बाद में फैसला लिया जाएगा।' बिग थ्री युग का अंत हेजलवुड और कमिंस के बाहर होने के साथ ही मिचेल स्टार्क पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में यह पहला मौका होगा जब ऑस्ट्रेलिया किसी विश्व कप में कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड, तीनों के बिना खेलेगा। यह बदलाव टीम की गेंदबाजी रणनीति पर बड़ा असर डाल सकता है। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी पर बढ़ेगा दबाव अब जिम्मेदारी नेथन एलिस, बेन ड्वार्शुइस, जेवियर बार्टलेट और ऑलराउंडर्स पर होगी।

सिर्फ भारत नहीं पाकिस्तान के मैच बहिष्कार के फैसले से नाराज हुआ एक और एशियाई बोर्ड

कोलंबो। टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अब श्रीलंका क्रिकेट ने भी पीसीबी को पत्र लिखकर इस फैसले पर दोबारा विचार करने की अपील की है। श्रीलंका क्रिकेट ने चेताया है कि इससे भारी आर्थिक नुकसान, पर्यटन पर असर और कई हितधारकों को नुकसान होगा। टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मुकाबले के बहिष्कार को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ढउइ) की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब यह विवाद सिर्फ भारत या आईसीसी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक और एशियाई क्रिकेट बोर्ड श्रीलंका क्रिकेट (रछउ) भी पाकिस्तान के इस फैसले से नाराज दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीलंका क्रिकेट ने पीसीबी को एक औपचारिक पत्र लिखकर भारत-पाकिस्तान मैच के बहिष्कार पर दोबारा विचार करने की अपील की है। श्रीलंका क्रिकेट ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि इस फैसले से सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि भारी आर्थिक नुकसान, पर्यटन पर असर और कई हितधारकों की कमाई पर चोट पड़ेगी। क्रिकेट का सबसे बड़ा कमाई वाला मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला विश्व क्रिकेट का सबसे बड़ा व्यावसायिक इवेंट माना जाता है। आईसीसी टूर्नामेंट्स में यह मैच- सबसे ज्यादा टीवी व्यूअरशिप सबसे महंगे विज्ञापन स्लॉट स्पॉन्सरशिप और टिकट बिक्री का मुख्य आधार होता है। इसी वजह से श्रीलंका क्रिकेट ने अपने पत्र में पीसीबी को आगाह किया कि अगर यह मुकाबला नहीं होता है, तो इसका असर पूरे टूर्नामेंट की कमाई पर पड़ेगा। श्रीलंका ने क्यों जताई चिंता न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीलंका क्रिकेट की कार्यकारी समिति की बैठक में यह मुद्दा उठा, जिसके बाद पीसीबी को पत्र भेजा गया। श्रीलंका क्रिकेट ने कहा कि भारत-पाक मैच श्रीलंका में आर. प्रेमदासा स्टेडियम में होना है और यह मुकाबला पूरी तरह से हाउसफुल रहने की उम्मीद थी। पत्र में चेताया गया कि बहिष्कार की स्थिति में होटल बुकिंग कैंसिल हो सकती है फ्लाइट रिजर्वेशन प्रभावित होंगे लोकल ट्रांसपोर्ट, सुरक्षा एजेंसियों और इवेंट स्टाफ को नुकसान होगा यानी यह फैसला श्रीलंका की पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी सीधा असर डालेगा। 'आर्थिक नुकसान सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं' श्रीलंकाई मीडिया आउटलेट न्यूज वायर के मुताबिक, श्रीलंका क्रिकेट ने पीसीबी को बताया कि यह सिर्फ एक मैच का मामला नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होने से भारी आर्थिक जोखिम, पर्यटन से होने वाली आय में गिरावट और व्यापक आर्थिक नुकसान होगा।' श्रीलंका क्रिकेट ने यह भी साफ किया कि श्रीलंका सरकार और क्रिकेट बोर्ड दोनों इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। पुराना भरोसा याद दिलाया श्रीलंका ने अपने पत्र में श्रीलंका क्रिकेट ने पाकिस्तान को एक अहम बात भी याद दिलाई। 2009 में लाहौर में श्रीलंकाई टीम पर हुए आतंकी हमले के बाद जब पाकिस्तान क्रिकेट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ गया था, तब श्रीलंका ने मुश्किल हालात में भी पाकिस्तान का दौरा किया था। श्रीलंका क्रिकेट ने उम्मीद जताई कि उसी आपसी भरोसे और सहयोग की भावना को पाकिस्तान अब याद रखेगा। 250 मिलियन डॉलर तक का नुकसान! रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर भारत-पाकिस्तान मुकाबला नहीं होता है तो करीब 250 मिलियन डॉलर (2000 करोड़ रुपये से ज्यादा) का नुकसान हो सकता है। यही वजह है कि अब सिर्फ भारत नहीं, बल्कि श्रीलंका भी पीसीबी और उसके चेयरमैन मोहसिन नकवी के फैसले से नाराज दिख रहा है। आईसीसी ने हाल ही में 2024-27 के लिए हर बोर्ड को मिलने वाली राशि की घोषणा की थी। पीसीबी की हिस्सेदारी 3000 करोड़ रुपये से ज्यादा की थी। ऐसे में आईसीसी नुकसान होने पर उस राशि से भरपाई के बारे में सोच सकता है।

हर्षित राणा की जगह टीम इंडिया में शामिल हो सकता है यह घातक गेंदबाज

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज हर्षित राणा की चोट ने भले ही भारतीय टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ा दी हैं, लेकिन अब खबर आ रही है कि राणा की जगह एक ऐसे गेंदबाज को शामिल किया जा सकता है जो अन्य टीमों के लिए मुसीबत साबित होगा। आइये जानते हैं टी20 विश्व कप 2026 से पहले भारतीय टीम को तगड़ा झटका लग सकता है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो सकते हैं। हालांकि, उनकी जगह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) एक ऐसे गेंदबाज को टीम में शामिल करने की तैयारी कर रहा है जो बाकियों के लिए मुसीबत साबित हो सकता है। समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि टीम प्रबंधन हर्षित की जगह मोहम्मद सिराज को टीम इंडिया में शामिल करने की तैयारी कर रहा है। वॉर्म-अप मैच में चोटिल हुए थे राणा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वॉर्म-अप मुकाबले में हर्षित को घुटने में चोट लगी थी। अब उनके टूर्नामेंट से बाहर होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्री-मैच कॉन्फ्रेंस में कहा, 'उन्हें अभी टूर्नामेंट से बाहर नहीं किया गया है। फिजियो उनकी जांच कर रहे हैं। लेकिन हालत ठीक नहीं लग रही है। आज तक पता चल जाएगा।' इस दौरान सूर्यकुमार ने बताया कि अगर हर्षित बाहर होते हैं तो टीम प्रबंधन की स्ट्रैटजी क्या होगी। उन्होंने कहा, 'हम देखेंगे कि पिछले 1-2 वर्षों में किन तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है या ऐसे गेंदबाज जो बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। लेकिन अगर आप नंबर 9 से बड़े शॉट लगाने की उम्मीद कर रहे हैं, तो टॉप आठ क्या कर रहे हैं। हम सबसे अच्छे खिलाड़ी को चुनने की कोशिश करेंगे।' पहले भी मिला था सिराज को मौका अब खबर आई है कि मोहम्मद सिराज को टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम का हिस्सा बनाया जा सकता है। वह पहले भी विश्व कप 2024 के लिए चुने गए स्क्वॉड में शामिल थे, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला था। हालांकि, अब उम्मीद जताई जा रही है कि वह बुमराह के साथ भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा हो सकते हैं।

विश्वकप से पहले भारत को लगेगा झटका तेज गेंदबाज हर्षित राणा चोट के कारण हो सकते हैं बाहर

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 की शुरूआत से ठीक पहले भारतीय टीम को तगड़ा झटका लग सकता है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो सकते हैं। टी20 विश्व कप 2026 की शुरूआत से ठीक पहले भारतीय टीम को तगड़ा झटका लग सकता है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो सकते हैं। बता दें कि, सात फरवरी से भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में टूर्नामेंट का आगाज होना है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरूआत शनिवार को अमेरिका के खिलाफ मैच से करेगी। इससे पहले टीम को झटका लग सकता है। वॉर्म-अप मैच में चोटिल हुए थे राणा जानकारी के मुताबिक, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वॉर्म-अप मुकाबले में हर्षित को घुटने में चोट लगी थी। अब उनके टूर्नामेंट से बाहर होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्री-मैच कॉन्फ्रेंस में कहा, 'उन्हें अभी टूर्नामेंट से बाहर नहीं किया गया है। फिजियो उनकी जांच कर रहे हैं। लेकिन हालत ठीक नहीं लग रही है। आज तक पता चल जाएगा।' इस दौरान सूर्यकुमार ने बताया कि अगर हर्षित बाहर होते हैं तो टीम प्रबंधन की स्ट्रैटजी क्या होगी। उन्होंने कहा, 'हम देखेंगे कि पिछले 1-2 वर्षों में किन तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है या ऐसे गेंदबाज जो बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। लेकिन अगर आप नंबर 9 से बड़े शॉट लगाने की उम्मीद कर रहे हैं, तो टॉप आठ क्या कर रहे हैं। हम सबसे अच्छे खिलाड़ी को चुनने की कोशिश करेंगे।' पाकिस्तान ने किया भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का एलान सात फरवरी से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आठ मार्च तक खेला जाएगा। इस दौरान कुल 55 मैच खेले जाएंगे। इनमें ग्रुप स्टेज के 40 मैच, सुपर-8 के 12 मैच, दो सेमीफाइनल और एक फाइनल शामिल हैं। बांग्लादेश को बाहर कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दी और टूर्नामेंट का अपडेटेड शेड्यूल जारी किया।

हार के बाद रोने लगीं जेमिमा तो मंधाना ने इस तरह हंसाया और दिया हौसला

वडोदरा। महिला प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। हार के बाद दिल्ली की कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स भावुक होकर रोने लगीं। इसी दौरान आरसीबी की कप्तान और उनकी करीबी दोस्त स्मृति मंधाना ने मैदान पर पहुंचकर जेमिमा को गले लगाया, उन्हें हंसाया और हौसला दिया। यह भावुक और क्यूट पल कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने महिला प्रीमियर लीग 2026 का खिताब जीत लिया है। फाइनल में उसने दिल्ली को छह विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली ने 20 ओवर में चार विकेट पर 203 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, लेकिन आरसीबी ने 19.4 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। यह हार दिल्ली के लिए दिल तोड़ देने वाला रहा, क्योंकि टीम को लगातार चौथे सीजन में फाइनल में हार मिली। इस हार के बाद दिल्ली की कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स रोने लगीं। इसके बाद आरसीबी की कप्तान और जेमिमा की खास दोस्त स्मृति मंधाना उनके पास आईं और गले लगाकर उन्हें हौसला दिया और उन्हें हंसाया भी। यह क्यूट पल कैमरे में कैद हो गया। दरअसल, जेमिमा पिछले चारों सीजन में दिल्ली की टीम का हिस्सा रहीं। पिछले तीन सीजन तो वह बतौर खिलाड़ी खेलीं, क्योंकि मेग लैनिंग कप्तान थीं, लेकिन इस सीजन मेग लैनिंग के यूपी में जाने पर उन्हें कप्तान बनाया गया। हालांकि, दिल्ली की किस्मत नहीं बदली। स्कोरबोर्ड पर विशाल स्कोर लगाने के बावजूद उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद जेमिमा भावुक दिखीं। उन्हें बार बार आंसू पोछते देखा गया। इसके बाद जेमिमा के पास मंधाना पहुंचीं। उन्होंने अपनी

औरेंज कैप जेमिमा को पहनाई। फिर गाल पकड़कर हंसने के लिए कहा। फिर उन्हें गले लगाया। जेमिमा के लिए काफी था। गले मिलते वक्त मंधाना भी भावुक दिखीं, क्योंकि यह जीत उनके लिए भी आसान नहीं थी। पिछले कुछ समय में भी उन्हें भी काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। शादी वाले दिन शादी टूटना इसमें मुख्य था। हालांकि, मंधाना का हौसला नहीं टूटा और उन्होंने अपनी टीम को दूसरी बार खिताब दिलाया। उस मुश्किल समय में जेमिमा ही मंधाना के साथ थीं। उन्होंने महिला बिग बैश लीग छोड़कर मंधाना के साथ समय बिताया था और अपने दोस्त के हर पल मौजूद रही थीं। इसी वजह से फाइनल में हार के बाद अपनी दोस्त को भावुक देख मंधाना से रहा नहीं गया और उन्होंने जेमिमा को जाकर गले लगा लिया। इसके बाद वहां श्रेयंका पाटिल, अरुंधति रेड्डी और राधा यादव भी पहुंचीं। ये दोनों भी जेमिमा की अच्छी दोस्त हैं। श्रेयंका ने भी जेमिमा के गालों को पकड़ हंसाने की कोशिश की। जेमिमा फिर हंसने भी लगीं। फाइनल की झलकियां पहले बल्लेबाजी करने वाली दिल्ली टीम के लिए लिजेल ली ने 30 गेंद में 37 रन और शेफाली वर्मा ने 13 गेंद में 20 रन की पारी खेली। वोल्वार्ड्ट ने 25 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 44 रन बनाए। इसके अलावा कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स ने 37 गेंद में आठ चौके की मदद से 57 रन की पारी खेली। चिनेल हेनरी 15 गेंद में चार चौके और दो छक्के की मदद से 35 रन की नाबाद तूफानी पारी खेली। दिल्ली ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 203 रन बनाए। आरसीबी की ओर से लॉरेन बेल ने चार ओवर में केवल 19 रन दिए, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। सयाली सतघरे, अरुंधति रेड्डी और नदिन डी क्लर्क को एक-एक विकेट मिला। जवाब में आरसीबी को नौ रन पर पहला झटका लगा था। शानदार फॉर्म में चल रहीं ग्रेस हैरिस नौ रन बनाकर आउट हो गई थीं। इसके बाद कप्तान मंधाना और जॉर्जिया वॉल ने 92 गेंद में 165 रन की विजयी साझेदारी की।

रूस-अमेरिका परमाणु संधि टूटी: ट्रंप करना चाहते हैं चीन को शामिल नए हथियारों की होड़ शुरू होने का खतरा

मॉस्को। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सितंबर में इस संधि के नवीनीकरण के संकेत दिए थे, लेकिन पिछले महीने उन्होंने अपना रुख बदल दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें इसके समाप्त होने से कोई आपत्ति नहीं है और किसी भी नई संधि में अन्य देशों को भी शामिल किया जाना चाहिए। अमेरिका और रूस के बीच दुनिया के सबसे खतरनाक परमाणु हथियारों की तैनाती को सीमित करने वाला ऐतिहासिक परमाणु हथियार नियंत्रण समझौता टूट गया। इस पर क्रेमलिन ने गुरुवार को खेद जताया। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ किया कि वह मौजूदा सीमाओं को बनाए रखने के पक्ष में नहीं हैं और एक नई, बेहतर और आधुनिक संधि चाहते हैं। इस समझौते के खत्म होने के साथ ही बीती आधी सदी से अधिक समय में पहली बार दुनिया के दो सबसे बड़े परमाणु शस्त्रागारों पर कोई कानूनी सीमा नहीं रह गई है। इससे बिना रोक-टोक परमाणु हथियारों की दौड़ की आशंका बढ़ गई है। ट्रंप की पेशकश को ठुकरा चुका है चीन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले साल संकेत दिया था कि अगर अमेरिका भी सहमत होता है तो रूस एक और वर्ष तक समझौते की सीमाओं का पालन करने को तैयार है। ट्रंप ने इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। ट्रंप का कहना है कि किसी भी नई संधि में चीन को शामिल किया जाना चाहिए, जिसे बीजिंग ने ठुकरा दिया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'न्यू स्टार्ट जैसी खराब तरीके से निकले समझौते को बढ़ाने के बजाय हमें अपने परमाणु विशेषज्ञों से एक नई, बेहतर और आधुनिक संधि पर काम कराना चाहिए, जो लंबे समय तक टिक सके।' क्रेमलिन के सलाहकार यूरी उशाकोव ने बताया कि पुतिन ने बुधवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत में संधि की समाप्ति का मुद्दा उठाया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस इस समझौते के टूटने को 'नकारात्मक' रूप में देखता है और इसे दुर्भाग्यपूर्ण मानता है। उन्होंने कहा कि रूस परमाणु स्थिरता को लेकर जिम्मेदार रुख बनाए रखेगा और मुख्य रूप से अपने राष्ट्रीय हितों से निर्देशित होगा। पेस्कोव ने यह भी कहा कि अगर रचनात्मक प्रतिक्रिया मिलती है तो रूस संवाद के लिए तैयार है। चीन को शामिल करने पर क्यों मतभेद? ट्रंप ने कहा है कि वह परमाणु हथियारों पर सीमाएं चाहते हैं, लेकिन चीन को भी किसी नई संधि का हिस्सा बनाना चाहते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि 21वीं सदी में चीन को शामिल किए बिना वास्तविक हथियार नियंत्रण संभव नहीं है, क्योंकि उसका परमाणु भंडार तेजी से बढ़ रहा है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि अमेरिका और रूस की तुलना में चीन का परमाणु शस्त्रागार काफी छोटा है और मौजूदा दौर में वह परमाणु निरस्त्रीकरण वार्ता में शामिल नहीं होगा। चीन ने न्यू स्टार्ट के टूटने पर खेद जताते हुए अमेरिका से रूस के साथ बातचीत फिर शुरू करने की अपील की। क्रेमलिन के प्रवक्ता पेस्कोव ने कहा कि रूस चीन के रुख का सम्मान करता है और यह भी दोहराया कि अगर व्यापक संधि पर बातचीत होती है तो नाटो देशों फ्रांस और ब्रिटेन के परमाणु शस्त्रागार को भी शामिल किया जाना चाहिए। हथियार नियंत्रण समर्थकों ने न्यू स्टार्ट के खत्म होने पर चिंता जताई और चेतावनी दी कि इससे अमेरिका, रूस और चीन के बीच एक खतरनाक त्रिपक्षीय परमाणु हथियार दौड़ शुरू हो सकती है।

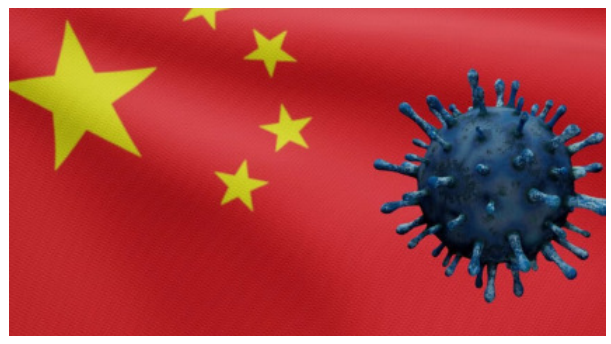

चीन में शीर्ष जनरल पर जांच के बाद एक्शन, हटाए गए तीन सांसद; जानें किस-किस पर गिरी गाज

बीजिंग। चीन के सरकारी मीडिया के मुताबिक रक्षा क्षेत्र से जुड़े तीन सांसदों को उनके पदों से हटा दिया गया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब सेना के शीर्ष जनरल झांग यूक्सिया भ्रष्टाचार जांच के घेरे में हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के बीच इस कार्रवाई ने सैन्य नेतृत्व में हलचल बढ़ा दी है। चीन के सरकारी मीडिया ने बताया कि रक्षा क्षेत्र से जुड़े तीन चीनी सांसदों को उनके पदों से हटा दिया गया है। यह कार्रवाई देश के शीर्ष जनरल की जांच के मद्देनजर ऐसे समय पर की गई है जब बीजिंग अपनी सेना का आधुनिकीकरण करने की कोशिश कर रहा है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी द्वारा जारी घोषणा में बर्खास्तगी का कारण नहीं बताया गया और न ही यह कहा गया कि रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु उद्योगों से जुड़े ये सांसद जांच के दायरे में थे। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के वर्षों से चल रहे भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत, रक्षा मंत्रालय ने 24 जनवरी को कहा कि वह जनरल झांग यूक्सिया के खिलाफ अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के संदेह में जांच कर रहा है। यूक्सिया चीनी सैन्य नेतृत्व में शी के बाद दूसरे स्थान पर रहे हैं। बर्खास्त किए सांसदों में कौन-कौन बता दें कि झांग को राष्ट्रपति का प्रमुख सहयोगी माना जाता है और उनकी भी जांच की जा रही है। बर्खास्त किए गए सांसदों में चीन के अधिकांश सैन्य विमानों और ड्रोन का उत्पादन करने वाले सरकारी स्वामित्व वाले समूह एविएशन इंडस्ट्री कॉर्प ऑफ चाइना के पूर्व प्रमुख झोउ शिनमिन, मुख्य अभियंता लूओ क्यूई और एटमी हथियार शोधकर्ता लियू कैंगली शामिल हैं। सैन्य प्रगति में बाधा : अमेरिका इन बर्खास्तगियों की घोषणा चीन की विधायिका (नेशनल पीपुल्स कांग्रेस) की वार्षिक बैठक से ठीक एक महीने पहले की गई, जो सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के पांच वर्षीय योजना चक्र की शुरूआत का प्रतीक है। शी चाहते हैं कि अमेरिका के बाद दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश चीन, 2035 तक पूर्ण सैन्य आधुनिकीकरण हासिल कर ले। हालांकि अमेरिकी पेंटागन ने कहा है कि सेना में भ्रष्टाचार इस लक्ष्य की दिशा में प्रगति में बाधा बन सकता है।

डिएगो गार्सिया में सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे ट्रंप कहा- बेस की सुरक्षा हमारा अधिकार

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डिएगो गार्सिया सैन्य बेस की सुरक्षा को लेकर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि वे अमेरिकी सेना की मौजूदगी को कभी कमजोर नहीं होने देंगे। अगर भविष्य में कोई समझौता टूटता है या खतरा बढ़ता है, तो वे सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डिएगो गार्सिया में अमेरिकी सेना की मौजूदगी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ किया है कि वे इस मिलिट्री बेस की सुरक्षा को कभी खतरे में नहीं पड़ने देंगे। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर भविष्य में कोई समझौता टूटता है या अमेरिकी सेना पर खतरा आता है, तो उनके पास बेस को सैन्य तरीके से सुरक्षित और मजबूत करने का पूरा अधिकार है। क्या बोले ट्रंप ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से बात की है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर के बीच में स्थित यह बेस अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। ट्रंप के अनुसार, पिछले एक साल में अमेरिकी सेना के कई ऑपरेशन इन बेस की रणनीतिक स्थिति की वजह से ही सफल रहे हैं। ट्रंप ने दी चेतावनी ब्रिटेन और मॉरीशस के बीच हुए लीज समझौते पर ट्रंप ने कहा कि वे ब्रिटिश प्रधानमंत्री की स्थिति को समझते हैं। उनके मुताबिक, स्टार्मर ने जो डील की है, वह उस समय की सबसे अच्छी डील हो सकती थी। लेकिन उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि अगर भविष्य में यह डील टूटती है या बेस पर कोई खतरा आता है, तो वे सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेंगे। ट्रंप ने वहां अमेरिकी मौजूदगी पर उठने वाले सवालों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने लिखा, ₹यह जान लें कि मैं इतने महत्वपूर्ण बेस पर हमारी मौजूदगी को कभी भी झूठे दावों या पर्यावरण के नाम पर होने वाली बातों से कमजोर नहीं पड़ने दूंगा।₹ प्रेस सेक्रेटरी ने भी ट्रंप के बयान को दोहराया व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने भी इस संदेश को दोहराया। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने स्टार्मर से सीधे बात की थी और वे उनकी स्थिति का समर्थन करते हैं। लेविट ने जोर देकर कहा कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका दुनिया में कहीं भी, जिसमें डिएगो गार्सिया भी शामिल है, अपनी संपत्ति की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाएगा। उन्होंने साफ किया कि अमेरिका अपनी संपत्ति की रक्षा करने का अधिकार रखता है। अमेरिका के लिए क्यों खास है डिएगो गार्सिया डिएगो गार्सिया अमेरिका के सबसे महत्वपूर्ण विदेशी सैन्य ठिकानों में से एक है। यह मध्य पूर्व, अफ्रीका और दक्षिण एशिया में अमेरिकी सैन्य शक्ति के लिए एक मुख्य केंद्र के रूप में काम करता है। यह द्वीप लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय कानूनी और राजनीतिक चचाओं का केंद्र भी रहा है। फिलहाल लेविट ने लीज समझौते या भविष्य के फैसलों के लिए किसी समय सीमा की जानकारी नहीं दी है।

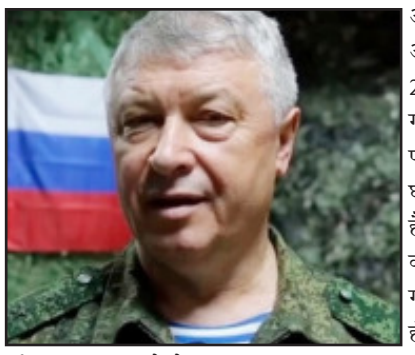

पुतिन के टॉप जनरल व्लादिमीर अलेक्सेयेव पर जानलेवा हमला बरसाई ताबड़तोड़ गोलियां

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को में एक बड़े सैन्य अधिकारी पर जानलेवा हमला हुआ है। लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर अलेक्सेयेव को कई गोलियां मारी गईं, जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रूस की राजधानी मॉस्को में पुतिन के टॉप जनरल व्लादिमीर अलेक्सेयेव पर जानलेवा हमला हुआ है। हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियों से हमला कर दिया। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रूसी जांच समिति की प्रवक्ता स्वेतलाना पेट्रेंको ने यह जानकारी दी। यह हमला उत्तर-पश्चिमी मॉस्को के एक रिहायशी इलाके में हुआ। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, 6 फरवरी 2026 को जब जनरल अलेक्सेयेव वोलोकोलाम्स्कोये हाईवे के पास एक इमारत में थे, तब एक अनजान हमलावर ने पर उन पर हमला बोल दिया। हमला करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। जांच समिति ने दर्ज किया केस रूस की जांच समिति की प्रवक्ता स्वेतलाना पेट्रेंको ने इस हमले की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि इस मामले में हत्या की कोशिश (आर्टिकल 30 और 105) और हथियारों की अवैध तस्करी (आर्टिकल 222) के तहत केस दर्ज किया गया है। जांच एजेंसियां और फोरेंसिक एक्सपर्ट घटनास्थल पर सबूत जुटा रहे हैं। इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और गवाहों से भी पूछताछ हो रही है। प्रवक्ता ने बताया कि हमलावरों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए एक बड़ा तलाशी अभियान चलाया गया है। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि इस हमले के पीछे किसका हाथ हो सकता है। जनरल अलेक्सेयेव साल 2011 से रूस की मिलिट्री इंटेलिजेंस में बड़े पद पर काम कर रहे हैं। पहले भी हो चुके हैं अधिकारियों पर हमले यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस के कई बड़े सैन्य अधिकारियों पर हमले हुए हैं। इससे पहले 22 दिसंबर 2025 को एक कार बम धमाके में लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवारोव की मौत हो गई थी। उनकी कार में बम लगाया गया था। इसी तरह, 25 अप्रैल 2025 को भी मॉस्को के पास बालाशिखा इलाके में एक कार बम विस्फोट हुआ था। इस हमले में लेफ्टिनेंट जनरल यारोस्लाव यारोस्लाविच मोस्कालिक की जान चली गई थी। वे रूसी जनरल स्टाफ के मेन ऑपरेशंस निदेशालय में डिप्टी चीफ के पद पर तैनात थे।

क्या एपस्टीन और उसके साथी बच्चों का मांस खाते थे: नए दस्तावेजों में चौंकाने वाले खुलासे

एपस्टीन फाइल्स की जो नई खेप अमेरिकी न्याय विभाग की तरफ से जारी की गई है, उसमें क्या है इनमें किन नए नामों का खुलासा हुआ है उन्हें लेकर दस्तावेजों में क्या कहा गया है इसके अलावा इंसानी मांस खाने को लेकर क्या बातें सामने आई हैं इनका खुलासा किसने किया है और इसकी सच्चाई क्या है अमेरिका के न्याय विभाग ने हाल ही में यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन को लेकर खुलासा करने वाले नए दस्तावेजों को जारी किया है। करीब 30 लाख पन्नों वाली एपस्टीन फाइल्स में दुनियाभर अमीर और सबसे ताकतवर लोगों के नाम शामिल हैं। यूं तो इन दस्तावेजों में सीधे तौर पर किसी भी व्यक्ति को किसी अपराध से सीधे जुड़े हुए नहीं दशार्या गया है। हालांकि, इनमें एक खुलासे ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। दरअसल, एपस्टीन फाइल्स के नए दस्तावेजों में अब 'कैनिबलिज्म' जैसे कुछ शब्दों का इस्तेमाल मिला है। सीधे अर्थ में समझें तो कैनिबलिज्म का मतलब होता है- इंसानों को खाना या इंसानी मांस का भक्षण। ऐसे में एपस्टीन फाइल्स को लेकर दुनियाभर में एक सिहरन और इनके बारे में जानने के लिए एक कौतूहल का माहौल है। आइये जानते हैं एपस्टीन फाइल्स की जो नई खेप अमेरिकी न्याय विभाग की तरफ से जारी की गई है, उसमें क्या है इनमें किन नए नामों का खुलासा हुआ है उन्हें लेकर दस्तावेजों में क्या कहा गया है इसके अलावा इंसानी मांस खाने को लेकर क्या बातें सामने आई हैं इनका खुलासा किसने किया है और इसकी सच्चाई क्या है एपस्टीन फाइल्स की नई खेप में क्या जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों की इस नई खेप में 30 जनवरी 2026 को अमेरिकी न्याय विभाग (ऊडख) ने जारी किए गए। लगभग 30 लाख पेज, 1,80,000 तस्वीरें और 2,000 वीडियो समेटे इन दस्तावेजों में कई शक्तिशाली व्यक्तियों के नाम, चौंकाने वाले आरोप और एपस्टीन के निजी जीवन से जुड़े विवरण सामने आए हैं। 1. चौंकाने वाले आरोप दस्तावेजों में नरभक्षण (ूल्लल्लुं२) और अनुष्ठानिक बलिदान जैसी गंभीर बातों का जिक्र है। 2. हाई-प्रोफाइल हस्तियों का जिक्र एलन मस्कः मस्क और एपस्टीन के बीच ईमेल के जरिए की गई बातचीत के दस्तावेज रिलीज किए गए हैं। इसमें मस्क ने कथित तौर पर एपस्टीन के द्वीप पर सबसे खतरनाक पार्टी के समय के बारे में पूछा था। मस्क ने कहा है कि उन्होंने कभी द्वीप का दौरा नहीं किया। एपस्टीन की तरफ से ड्राफ्ट किए गए कुछ ईमेल की जो जानकारी रिलीज की गई है, उसके मुताबिक गेट्स को रूसी लड़कियों के साथ संबंधों के कारण यौन संचारित रोग (एसटीडी) हुआ था। गेट्स के प्रवक्ता ने इन दावों को पूरी तरह से बेतुका और गलत बताया। प्रिंस एंड्रयूः फाइलों में एक ऐसी तस्वीर शामिल है जिसमें वह कथित तौर पर एक महिला के ऊपर घुटनों के बल झुके हुए दिखाई दे रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंपः ट्रंप का नाम फाइलों में सैकड़ों बार आया है, जिसमें एफबीआई की टिप लाइन पर उनके खिलाफ मिली कुछ अपुष्ट शिकायतों का विवरण भी शामिल है। 3. एपस्टीन की वसीयत और आर्थिक जानकारी फाइलों से पता चला है कि एपस्टीन ने अपनी मौत से सिर्फ दो दिन पहले अपनी वसीयत और ट्रस्ट को अपडेट किया था। उसने अपनी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा (करीब पांच करोड़ डॉलर और कई संपत्तियां) अपनी अंतिम प्रेमिका करीना शुलियाक को देने की योजना बनाई थी। एक मनोवैज्ञानिक रिपोर्ट में एपस्टीन को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में दशार्या गया है जिसकी पहचान उसकी संपत्ति, शक्ति और उच्च-प्रोफाइल लोगों के साथ जुड़ाव पर आधारित थी। 4. दस्तावेजों की गोपनीयता और संपादन पर विवाद दस्तावेजों के जारी होने के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हुआ है, क्योंकि फाइलों में ठीक से संपादन न होने की वजह से कई पीड़ितों और गवाहों के नाम और निजी तस्वीरें उजागर हो गईं। वकीलों ने इसे गोपनीयता का गंभीर उल्लंघन बताया, जिसके बाद न्याय विभाग को अपनी वेबसाइट से हजारों दस्तावेज अस्थायी रूप से हटाने पड़े। इतना ही नहीं कुछ मीडिया समूहों ने इन दस्तावेजों को जरूरत से ज्यादा संपादित बताया है। इनका कहना है कि कुछ जरूरी जानकारियां छिपा दी गई हैं, जबकि ऐसी चीजें, जिन्हें प्रकाशित नहीं किया जाना था, उन्हें दुनिया को दिखाया गया है। 5. अन्य अहम नाम स्टीव बैननः उनके और एपस्टीन के बीच 2018-2019 के दौरान हजारों संदेशों का आदान-प्रदान हुआ, जिसमें एपस्टीन की छवि सुधारने के लिए एक डॉक्यूमेंट्री बनाने की चर्चा शामिल थी। सारा फर्ग्यूसनः प्रिंस एंड्रयू की पूर्व-पत्नी और लेखिका सारा फर्ग्यूसन के ईमेल भी सामने आए हैं, जिनमें उन्होंने एपस्टीन को अपना शानदार और खास दोस्त कहा था। अब जानें- एपस्टीन फाइल्स में इंसानी मांस खाने को लेकर क्या जेफ्री एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों में इंसानी मांस को खाने (नरभक्षण) और अनुष्ठान के जरिए बलि लेने जैसी बातों का भी जिक्र है। सोशल मीडिया पर इसे लेकर कई दावे किए जा रहे हैं, जिसके मुताबिक एपस्टीन और उनके साथी एक खास आईलैंड पर बच्चों की बलि देते थे और उनका मांस खाते थे। हालांकि, इन दावों की सच्चाई और संदर्भ इतना सीधा नहीं है। दावे कहां से आए: ये चौंकाने वाले आरोप मुख्य रूप से 2019 में एक अज्ञात व्यक्ति से की गई संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) की पूछताछ पर आधारित हैं।

पश्चिम एशिया पर मंडरा रहे जंग के बादल अमेरिका-ईरान की ओमान में वार्ता आज

मस्कट। अमेरिका और ईरान के बीच ओमान में होने वाली वार्ता में अब कुछ ही घंटो का समय शेष रह गया है। पूरी दुनिया की नजर इस वार्ता पर है। कारण है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच यह एक बड़ा मौका है जब दोनों देश बातचीत की मेज पर सामने आएंगे। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि क्या इस वार्ता से समाधान मिलेगा और अगर यह वार्ता फेल हो गई तो क्या होगा पश्चिम एशिया में तनाव के बीच पूरी दुनिया की नजर ओमान में अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को होने वाली वार्ता पर है। कारण है कि ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शन और इसके चलते अमेरिका की तरह से लगातार हमले की धमकी के बीच अब अचानक दोनों देशों के पास बातचीत का मौका सामने आया है। इसके बाद ईरान ने शर्तों के साथ वार्ता की हामी भरी है, ताकि अमेरिकी हमलों का खतरा टाला जा सके। यह कदम ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच कई हफ्तों से तनावपूर्ण बयानबाजी चल रही थी। इतना ही नहीं दोनों देशों के बीच न्यूक्लियर कार्यक्रम, मिसाइलों और क्षेत्रीय दबावों को लेकर भी मतभेद हैं, जबकि पश्चिम एशिया में सैन्य हलचल और अंतरराष्ट्रीय दबाव स्थिति को और जटिल बना रहे हैं। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार चेतावनी दी है कि अगर ईरान अपने न्यूक्लियर (परमाणु) कार्यक्रम पर समझौता नहीं करता, तो बुरी घटनाएं हो सकती हैं। इस संदेश को और जोर देने के लिए अमेरिकी ने पश्चिम एशिया में अपने विमान वाहक और अन्य सैन्य ताकतें भी भेजी हैं। ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत मीडिया रिपोर्टस के अनुसार बातचीत शुक्रवार को ओमान में होनी है। इससे पहले ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अपने विदेश मंत्री अब्बास अराघची को निर्देश दिया है कि वे अमेरिका के साथ बातचीत करें, लेकिन केवल एक ऐसा सुरक्षित माहौल होने पर जिसमें धमकियां या अवास्तविक अपेक्षाएं न हों। पेजेशकियन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मैंने अपने विदेश मंत्री को निर्देश दिया है कि उचित और सम्मानजनक माहौल होने पर निष्पक्ष और संतुलित बातचीत करें, जो गरिमा, समझदारी और व्यावहारिकता के सिद्धांतों पर आधारित हो। वार्ता नाकाम हुई तो क्या होगा ऐसे में गौर करने वाली बात यह है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच ओमान में होने वाली वार्ता नाकाम होती है, तो पश्चिम एशिया के कई देशों पर संकट गहराने का खतरा है। ईरान सीधे संघर्ष का सामना कर सकता है और उसके ऊपर आर्थिक तथा सैन्य दबाव बढ़ सकता है। सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देश ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव और प्रॉक्सी समूहों की गतिविधियों से असुरक्षित महसूस करेंगे। इस्त्राइल के लिए सुरक्षा खतरे बढ़ेंगे, क्योंकि ईरानी मिसाइल और सैन्य क्षमता सीधे उसके लिए चुनौती बन सकती है। इसके साथ ही इराक और सीरिया में अमेरिका-ईरान टकराव का असर उनके आंतरिक स्थायित्व पर पड़ेगा। यमन और लेबनान में ईरान समर्थित समूह अस्थिरता फैलाने की संभावना बढ़ा सकते हैं। कुल मिलाकर, वार्ता नाकाम होने से सैन्य टकराव, तनाव और क्षेत्रीय असुरक्षा बढ़ने का खतरा रहेगा। बातचीत में कौन-कौन से मुद्दे होंगे शामिल, सवाल हालांकि अभी भी दोनों पक्षों के बीच बड़ी बहस यह है कि बातचीत में किन मुद्दों को शामिल किया जाए। एक तरफ ईरान चाहता है कि बातचीत केवल उसके न्यूक्लियर कार्यक्रम तक सीमित रहे।

वचनामृत (शरणों के वचन)

डॉ प्रभाशंकर 'प्रेमी'
प्रोफेसर (से. नि.), बेंगलूरू विश्वविद्यालय, बेंगलूरू

समरसतापूर्ण स्नेह मत्स्य कूर्म विहग कर समान है जैसैः स्नेह की दृष्टि में ही तृप्ति, स्नेह और कई स्मृति में ही तृप्ति, इस प्रकार हमारे महालिंग गजेश्वर में मिलन, ओले की मूर्ति गलकर पानी में लीन होने के समान है।

इस वचन में शरण गजेश मसणय्या महालिंग में मिलन की स्थिति का वर्णन कर रहे हैं। समरसतापूर्ण स्नेह जो है वह मत्स्य की दृष्टि में, कूर्म की स्मृति में और विहग के स्पर्श की तृप्ति के समान है। अतः गजेश्वर से मिलन ओले की मूर्ति के गलकर पानी होने के समान याने समरस होने के समान है।

गजेश मसणय्या महालिंग

घटती जन्मदर से घबराया चीन, महिलाओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए कर रहा प्रोत्साहित

चीन कभी जनसंख्या नियंत्रण के लिए महिलाओं पर एक-बच्चा नीति थोपता रहा, लेकिन अब घटती जन्म दर के कारण अधिक बच्चे पैदा करने की अपील कर रहा है। आंकड़े बताते हैं कि शिशु जन्म दर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच चुकी है। पढ़ें रिपोर्ट- चीन कभी अपनी एक बच्चा नीति (वन चाइल्ड पॉलिसी) को लेकर बेहद सख्त रहा है। लेकिन अब वह इस रवैये में बदलाव ला रहा है। देश की महिलाओं से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील की जा रही है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। म्यांमार स्थित मेकांग न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले चार दशक में जन्म दर को महिलाओं ने नहीं, बल्कि सरकार ने तय किया है। अधिक बच्चे पैदा करने की अपील क्यों की जा रही? जहां 1979 में वन चाइल्ड पॉलिसी में जनसंख्या वृद्धि पर रोक लगाने का लक्ष्य रखा गया था, वहीं अब देश में महिलाओं पर अधिक बच्चे पैदा करने का दबाव डाला जाना शुरू हो गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि देश की जनसंख्या में भारी गिरावट देखी गई है। रिकॉर्ड निचले स्तर पर शिशु जन्म दर जनवरी में जारी आधिकारिक आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति स्पष्ट होती है। 2025 में 7.92 मिलियन शिशु जन्मे, जो 2024 के 9.54 मिलियन से 1.62 मिलियन (लगभग 17 फीसदी) कम है। जन्म दर 5.63 प्रति 1,000 व्यक्ति रह गई, जो रिकॉर्ड निचला स्तर है। यह 1949 के बाद से सबसे कम स्तर है।

PRINTED PUBLISHED AND OWNED BY ASHT BHUJA PANDEY AND PRINTED AT MNS PRINTERS PVT. LTD., NO. 345/4, BHATTARAHALLI, OLD MADRAS ROAD, BANGLORE KARNATAKA- 560049 AND PUBLISHED AT NO. 62, SAGAR SADAN, 3RD FLOOR, 7TH CROSS NEAR MUNESHWARA SWAMY MARIKAMBA TEMPLE, PILLARODDY NAGAR, CHIKKA-BANASWADI, BANGALORE NORTH, BANGALORE KARNATAKA-560043, EDITOR: BANDANA PANDEY, FOR-EDITORIAL 080-485-41870/8660106725, ADVERTISEMENT: 916-4117755, ENAIL HINDSAGARPLK@GMAIL.COM, RNI NO. KARHIN/2021/82440